RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 270

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 24 जनवरी, 2024

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

अब सुबह छह से रात 10 बजे तक होंगे रामलला के दर्शन, सिर्फ आरती-भोग के वक्त रहेगी रोक

लखनऊ। मंगलवार को अचानक अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री ने पहले हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया, फिर स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत के लिए आवश्यक इंतजाम करने के लिए दिशा-निर्देश दिया। इसके बाद श्री रामजन्मभूमि मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री ने मंदिर न्यास के पदाधिकारियों के साथ दर्शन के लिए उमड़ रहे अपार जनसुमद्र के प्रबंधन, दर्शन-पूजन व्यवस्था को और व्यवस्थित करने पर चर्चा की। इस बीच, मुख्यमंत्री ने देश के हर कोने से आ रहे श्रद्धालुओं से संयम और सहयोग की अपील की है। आस्थावानों की भावना का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि अयोध्या में उमड़े जनसमुद्र के बीच सबको रामलला के दर्शन हों, इसके लिए संयम बनाये रखें। अत्यधिक भीड़ से दर्शनार्थियों को असुविधा होगी। ऐसे में सभी लोग श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास, स्थानीय पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों का सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि सरकार, न्यास और प्रशासन प्रत्येक रामभक्त को सुविधापूर्वक दर्शन कराने का प्रयास कर रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में हुए भारी इजाफे के मद्देनजर रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ा दी गई है। जिला प्रशासन और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से नई परिस्थितियों को देखते हुए यह निर्णय किया गया है। अब सुबह छह बजे से रात दस बजे तक दर्शन होंगे। डीएम नितीश कुमार ने बताया कि इस बीच आरती और भोग के दौरान थोड़ी देर के लिए श्रद्धालुओं को रोका जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी होते ही फिर से दर्शन शुरू हो जाएंगे। अयोध्या में मंगलवार को वही हुआ जो अवश्यम्भावी था। सदियों की प्रतीक्षा के बाद श्रीरामलला सोमवार को अपने नव्य, भव्य, दिव्य मंदिर में विराजमान हुए तो मंगलवार को पौ फटने से पहले ही उनके दर्शन को आतुर लाखों-लाख श्रद्धालु उमड़ पड़े। हाड़ कंपाने वाली ठंड के बावजूद अयोध्या की सड़कों पर आस्था का हुजूम उमड़ पड़ा।

बीजेपी ने विपक्ष के आगे गुगली मिलेगा कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न

देश में सबसे पहले लागू किया था OBC, EWS और महिला आरक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के दिग्गज समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का एलान किया गया है। बुधवार को ही कर्पूरी ठाकुर का जन्मदिन है और उनकी जन्मशती है। कर्पूरी ठाकुर उन नेताओं में रहे जिन्होंने भारत की आज़ादी की लड़ाई में हिस्सा लिया। बिहार में समाजवादी-पिछड़ा नेतृत्व के उभार में उनकी अहम भूमिका रही। सत्तर के दशक में वो बिहार के उपमुख्यमंत्री भी बने। 1977 में जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति के बाद बिहार में भी सत्ता बदली और वो जनता पार्टी सरकार के मुख्यमंत्री बनाए गए। उन्होंने सामाजिक-आर्थिक और भाषिक बराबरी से जुड़ी लड़ाइयों के कई मोर्चे खोले. वे उन नेताओं में रहे जिनकी प्रशासनिक क्षमता का लोहा सब मानते थे। कर्पूरी ठाकुर की ईमानदारी पर भी कभी सवाल नहीं उठे। लोहिया और जयप्रकाश की

वैचारिक विरासत को उन्होंने आगे बढ़ाया था। लालू यादव और नीतीश कुमार ने भी उन्हीं की राह पर चलते हुए बिहार में अपनी सियासत की है।

पूर्व मुख्यमंत्री और महान समाजवादी नेता जननायक कर्पूरी ठाकुर को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिए जाने के केंद्र सरकार के निर्णय पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की। इसे सही निर्णय बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को उनकी 100वीं जयंती पर दिया जाने वाला यह सर्वोच्च सम्मान दलितों, वंचितों और उपेक्षित तबकों के बीच सकारात्मक भाव पैदा करेगा। उन्होंने कहा- मैं हमेशा से स्व. कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग करता रहा हूं। आज जननायक को यह सम्मान दिए जाने से मुझे हार्दिक खुशी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो खुशी जताई, उसके एक-एक शब्द से पता चलता है कि वह अंदर से खुश हैं। जदयू की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की खुशी भी है। लेकिन, बात सिर्फ इतनी ही नहीं। जदयू में पिछले दिनों जब राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के हटने की बात आ रही थी, तो एक नाम सुर्खियों में आया था- रामनाथ ठाकुर। जदयू के कद्दावर नेता और राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर जननायक कर्पूरी ठाकुर के बेटे हैं। रामनाथ ठाकुर नहीं, नीतीश कुमार जदयू अध्यक्ष बने। उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया। लेकिन, आज का दिन रामनाथ ठाकुर समेत पूरे जदयू के लिए उत्सव का दिन है। गृह राज्य बिहार के साथ गृह जिला समस्तीपुर के लिए भी। इस उपहार के कारण जदयू-भाजपा के बीच रिश्तों में थोड़ी नरमी आएगी और कोई आश्चर्य नहीं कि जैसे सीएम ने विज्ञप्ति जारी कर केंद्र सरकार के फैसले पर प्रसन्नता जताई, कल पटना के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड पर कर्पूरी जन्मशती समारोह के दौरान भी वह इसके लिए

पीएम मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की घोषणा कर जदयू से मुद्दा भी छीना

एजेंसी

नई दिल्ली। वह जमाना कांग्रेस का था। तब अगड़ी जातियों का वर्चस्व था। उसी दौर में कर्पूरी ठाकुर न केवल उभरे, बल्कि हर वर्ग में अपनी छाप छोड़ी। आज भले जातिगत जनगणना के कारण जातियां बंटी हुई नजर आ रही और जातीय राजनीति के लिए सभी दल ऐसे कार्यक्रम कर पुराने दिग्गजों को भी जाति-वर्ग में बांट रहे हैं, लेकिन उस जमाने में हर श्रेणी ने कर्पूरी ठाकुर को जननायक कहा-माना। लेकिन, अब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी जन्मशती के एक दिन

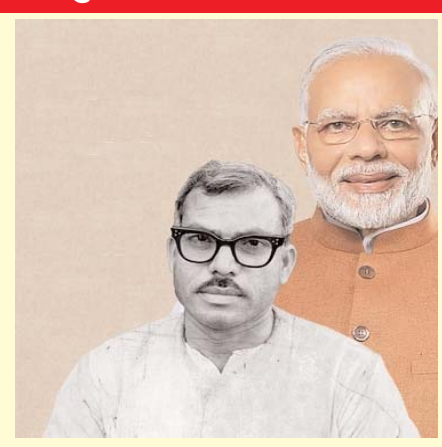

पहले उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की तो इसके राजनीतिक मायने की चर्चा लाजिमी है। लाजिमी इसलिए भी, क्योंकि इस समय केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाईटेड के बीच %यह रिश्ता क्या कहलाता है वाली परिस्थिति है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर के नाम भारत रत्न की घोषणा की तो एक साथ बिहार के दोनों सत्तारूढ़ दलों से कल पटना में होने वाले कार्यक्रम का बड़ा मुद्दा छिन गया। लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल और नीतीश कुमार की पार्टी जदयू यह मांग दुहराती। अब नहीं दुहरा सकेगी। उलटा, आभार ही जताना पड़ेगा। लेकिन, बात इतनी ही नहीं है। भाजपा इसे पिछड़ी जातियों के लिए पार्टी में सम्मान का प्रमाण बताएगी। दूसरी तरफ, राजद-जदयू इस बात पर हमलावर कम होगा कि भाजपा के राज में पिछड़ों का सम्मान नहीं होता। देश का सर्वोच्च सम्मान मिलते ही अब कल के कार्यक्रम के लिए सभी पार्टियों और नेताओं को स्क्रिप्ट बदलने की भी जरूरत दिख रही है।

अयोध्या में उमड़ा जनसैलाब सीएम योगी ने संभाली

एजेंसी

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के अगले दिन उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए सीएम योगी ने खुद ही कमान संभाल ली।उन्होंने मंदिर पहुंचे भक्तों को संबोधित किया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद लाखों रामभक्त अपने आराध्य के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच गए। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इन्हें नियंत्रित करने के लिए खुद यहां आकर मोर्चा संभालना पड़ा। उन्होंने पहले हेलीकाप्टर से रामजन्मभूमि व राम पथ का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर राम मंदिर पहुंचे। पब्लिक एड्रेस सिस्टम से श्रद्धालुओं को संबोधित कर धैर्य बनाए रखने की अपील की। मंगलवार को सीएम योगी को प्रशासन और मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मिली कि अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए अनुमान से बहुत ज्यादा संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए हैं। इसके बाद उन्होंने तत्काल प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार को रामनगरी में व्यवस्था को सुचारू

करने का निर्देश देते हुए रवाना किया। दोपहर में यहां पहुंचे दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम नितीश कुमार और एसएसपी राजकरण नय्यर से भीड़ नियंत्रण के उपायों पर मंत्रणा कर आनन-फानन में उन्हें प्रभावी कराया। इसके बाद शाम सवा चार बजे के करीब खुद सीएम योगी भी रामनगरी पहुंच गए। पहले उन्होंने अयोध्या धाम का हवाई सर्वेक्षण कर रामजन्मभूमि पथ और राम पथ पर मौजूद भीड़ का आंकलन किया। इसके बाद उनका हेलीकाप्टर साकेत कॉलेज में बनाए गए हेलीपैड पर उतरा। यहां से वह सीधे राम मंदिर परिसर पहुंचे। मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं को दर्शन कराने के लिए प्रभावी की गई व्यवस्था को परखा। प्रमुख सचिव गृह और डीजी एलओ से भी इस बारे में रिपोर्ट ली। साथ ही सभी रामभक्तों को बिना किसी अवरोध व व्यवधान के सुव्यवस्थित दर्शन कराने के निर्देश दिए। सीएम ने पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से राम मंदिर और अयोध्या धाम में मौजूद रामभक्तों को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रामलला के दर्शन के लिए यहां आए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत है। आप सभी धैर्य और संयम बनाए रखें। कोई भी हड़बड़ाए न, धक्का-मुक्की न करें। लाइन में लगकर प्रशासन और पुलिस के अनुरोध को स्वीकार करते हुए अपनी बारी का इंतजार करें। सभी को दर्शन मिलेगा। इसके लिए प्रशासन ने सभी व्यवस्था कर रखी है। सीएम के संबोधन को एड्रेस सिस्टम के माध्यम से बार-बार प्रसारित किया जाता रहा। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को भी प्रसारित किया गया। यह अपील उन्होंने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास हुई जनसभा में देशवासियों से की थी। इसमें पीएम मोदी ने रामभक्तों से 22 जनवरी को अयोध्या न आने का आग्रह किया था।

रामलला की मूर्ति का काला पत्थर इंसानी अस्तित्व से 225 करोड़ साल पुराना है

एजेंसी

अयोध्या। श्याम रंग, सम्मोहित करती चमकीली आंखें, मनमोहक मुस्कान और भव्य श्रृंगार के साथ अयोध्या के भव्य मंदिर में प्रभु श्रीराम के बालस्वरूप का विराजमान हो चुका है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को पूरे विधि-विधान के साथ श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की। मंगलवार से राम मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खुल चुके हैं. रामलला की मूर्ति को मैसूर के रहने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है. 51 इंच की मूर्ति को काले पत्थर से बनाई गई है। कर्नाटक से लाए गए ये पत्थर 2.5 अरब साल (225 करोड़ साल) पुरानी है। शास्त्रों में ब्लैक ग्रेनाइट को कृष्ण शिला (शालीग्राम) कहा जाता है। बेंगलुरु के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रॉक मैकेनिक्स ने ब्लैक ग्रेनाइट (शालीग्राम) की टेस्टिंग की है। NIRM भारत के डैम और न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए चट्टानों की टेस्टिंग करने वाली

नोडल एजेंसी है. इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर एचएस वेंकटेश ने फिजिको-मैकानिकल एनालिसिस का इस्तेमाल कर पत्थर की टेस्टिंग की है। डॉ. वेंकटेश ने कहा, ÷पूरा पत्थर एक रंग में है. इसमें किसी भी तरह की नक्काशी के लिए विशेष गुण हैं. इन पत्थरों में कोई दरार नहीं आती है. काले पत्थर पानी को अवशोषित नहीं करता है या कार्बन के साथ प्रतिक्रिया भी नहीं करता है. यानी रामलला की मूर्ति पर दूध से अभिषेक करने, रोली या चंदन लगाने से भी कोई नुकसान नहीं होगा। डॉ. वेंकटेश कहते हैं, काले चट्टान ज्यादा टिकाऊ और क्लाइमेट रेजिस्टेंट हैं. ये कम से कम मेनटेनेंस के साथ इस उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में हजारों साल तक टिकी रहेंगी। बता दें कि ग्रेनाइट एक अत्यंत कठोर पदार्थ है. ज्यादातर ग्रेनाइट पत्थर तब बनीं, जब पृथ्वी के निर्माण के बाद पिघला हुआ लावा ठंडा हो गया। वहीं, केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि राम मंदिर के निर्माण में हर चीज का खास ख्याल रखा गया है. इसमें पारंपरिक वास्तुशिल्प डिजाइन से लेकर हाई क्वालिटी वाले पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है. इसे हजारों साल तक टिकाऊ बनाने के लिए इसमें आधुनिक विज्ञान और इंजीनियरिंग तकनीकों को शामिल किया गया. जितेंद्र सिंह ने कहा कि राम मंदिर को 1000 से अधिक साल टिके रहने के लिए डिजाइन किया गया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, रामलला की मूर्ति को बनाने में इस्तेमाल हुए काले पत्थर को कर्नाटक के मैसूरु जिले के जयापुरा होबली गांव से लाया गया. यह क्षेत्र हाई क्वालिटी वाली ग्रेनाइट खदानों के लिए जाना जाता है। यह चट्टान प्री- कैम्ब्रियन काल की है, अनुमान है कि पृथ्वी की उत्पत्ति लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी। जिस काली ग्रेनाइट चट्टान से रामलला की मूर्ति बनाई गई है, उसने पृथ्वी के इतिहास का कम से कम आधा या अधिक हिस्सा देखा है।

यह चट्टानें प्री-कैम्ब्रियन युग की है, जिसकी शुरुआत करीब 4 अरब से ज्यादा साल पहले हुई मानी जाती है। अनुमान है कि पृथ्वी की उत्पत्ति लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी। यानी जिस काले ग्रेनाइट चट्टान से रामलला की मूर्ति बनाई गई है, उसने पृथ्वी के इतिहास का कम से कम आधा या अधिक हिस्सा देखा है। ऐसा माना जाता है कि 14 मिलियन साल पहले पृथ्वी पर मानवों की उत्पत्ति हुई। होमो सेपियंस प्रजाति सिर्फ 300,000 साल पुरानी है। ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति लगभग 4 अरब वर्ष पहले हुई थी।

राहुल गांधी पर असम में हिंसा का मामला दर्ज

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान पुलिस से हुई थी झड़प

एजेंसी

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर असम में स्रद्धक्रदर्ज की गई है. राहुल गांधी पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हिंसा के लिए उकसावे के आरोप में केस दर्ज किया गया है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस बात की जानकारी ने दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस सदस्यों की तरफ से आज हिंसा, उकसावे, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिसकर्मियों पर हमले के संदर्भ में राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, कन्हैया कुमार और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ धारा 120 (बी) 143/ 147/ 188/ 283/ 427 के तहत केस दर्ज किया गया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मंगलवार को गुवाहाटी पहुंची, जिसे असम पुलिस ने रोक दिया. राहुल अपने काफिले के साथ गुवाहाटी शहर के बीच से गुजरना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसकी इजाजत नहीं दी. पुलिस ने गुवाहाटी सिटी जाने वाली सड़क पर

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मंगलवार को गुवाहाटी पहुंची, जिसे असम पुलिस ने रोक दिया. राहुल अपने काफिले के साथ गुवाहाटी शहर के बीच से गुजरना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसकी इजाजत नहीं दी. पुलिस ने गुवाहाटी सिटी जाने वाली सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी।

बैरिकेडिंग कर दी। इसके बाद कांग्रेस समर्थक पुलिस से भिड़ गए। उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर केस दर्ज करने के निर्देश दिए थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा, ऐसा बर्ताव असमिया कल्चर का हिस्सा नहीं है. ये नक्सली गतिविधियां हमारी संस्कृति से अलग हैं। मैंने असम पुलिस के DGP को निर्देश दिया है कि वे राहुल गांधी के खिलाफ भीड़ को उकसाने के लिए FIR दर्ज करें। कांग्रेस ने जो वीडियो पोस्ट किए हैं, उन्हें सबूत के तौर पर इस्तेमाल करें।

असम पुलिस ने वर्किंग डे का कारण बताकर राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को गुवाहाटी के अंदर ले जाने की परमिशन नहीं दी थी। असम पुलिस ने कहा था कि मंगलवार को अगर न्याय यात्रा शहर में गई, तो ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जाएगी, इसलिए प्रशासन ने रैली को नेशनल हाईवे पर जाने का निर्देश दिया. लेकिन कांग्रेसियों ने पुलिस के बैरिकेड्स तोड़ दिए थे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 18 जनवरी को नगालैंड से असम पहुंची थी. 20 जनवरी को यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश गई, फिर 21 को असम लौट आई. इसके बाद राहुल की यात्रा 22 जनवरी को मेघालय निकली और मंगलवार को एक बार फिर असम पहुंची। राहुल की न्याय यात्रा 25 जनवरी तक असम में ही रहेगी।

हमने कोई कानून नहीं तोड़ा- राहुल गांधी

इस घटना को लेकर राहुल ने कहा कि जिस रास्ते पर हमारी यात्रा को रोका गया है, उसी रास्ते से बजरंग दल और जेपी नड्डा की रैली निकली थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रास्ते पर लगे बैरिकेड हटा दिए हैं, लेकिन हमने कानून नहीं तोड़ा है।

14 जनवरी को शुरू हुई यात्रा

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर की राजधानी इंफाल के सेकमई से शुरू हुई थी. 66 दिनों तक चलने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी और 337 विधानसभा सीटों को कवर करेगी। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी जगह-जगह रुक कर स्थानीय लोगों से बात करेंगे।

20 मार्च को मुंबई में होगी खत्म

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र में खत्म होगी। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी कुल 6700 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। 20 मार्च को मुंबई में ये यात्रा खत्म होगी।

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक संस्थान होने का दर्जा रहेगा या नहीं, इस पेचीदा मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में मंगलवार को चौथे दिन भी सुनवाई की गई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस बात की जांच करेगा कि क्या एएमयू एक्ट 1920 के तहत विश्वविद्यालय के रूप में नामित होने पर संस्थान का अल्पसंख्यक स्थिति खत्म हो गई थी। इस दौरान सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि केवल इस तथ्य से कि इसे एक विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह अपने अल्पसंख्यक दर्जे को छोड़ देगा। सीजेआई ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि क्या 1920 के अधिनियम से एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा खत्म हो गया था। सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि ब्रिटिश काल के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के संस्थापकों के राजनीतिक गठबंधन का आज संस्थान की अल्पसंख्यक स्थिति निर्धारित करने में कोई असर नहीं पड़ेगा। संविधान पीठ ने कहा कि

विश्वविद्यालय के संस्थापकों को गांधी या खिलाफत के साथ जोड़ा जा सकता है लेकिन इसका संस्थान की अल्पसंख्यक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पीठ ने कहा कि यह एक स्थापित सिद्धांत है कि जब कोई संस्था सहायता मांगती है तो उसे अपना अल्पसंख्यक दर्जा नहीं छोड़ना पड़ता है। दिन भर चली सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से 1920 के कानून के तहत एएमयू के संविधान को अपनाने से पहले उसकी स्थिति के बारे में पूछा। इसके अलावा, पीठ ने मेहता से यह भी सवाल किया कि क्या 1920 का कानून भी एएमयू के पहले से मौजूद इतिहास को मान्यता देने के अनुरूप है या क्या 1920 का कानून ही अल्पसंख्यक दर्जे के किसी भी दावे को रद्द कर देता है? इस पर मेहता ने अपनी लिखित दलीलों का जिक्र करते हुए कहा कि 1920 में अपनी स्थापना के समय विश्वविद्यालय का चरित्र मुख्य रूप से राष्ट्रीय और गैर-अल्पसंख्यक था। इस दौरान पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी के साथ ही एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे का पक्ष रख रहे वकील एमआर शमशाद की दलीलों को भी सुना। दिनभर चली सुनवाई के बाद भी इस मुद्दे पर सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। बुधवार को भी इस विषय में सुनवाई होगी। 1920 का अधिनियम अलीगढ़ में एक शिक्षण और आवासीय मुस्लिम विश्वविद्यालय को शामिल करने की बात करता है। वहीं, 1951 में विश्वविद्यालय द्वारा मुस्लिम छात्रों को प्रदान की जाने वाली अनिवार्य धार्मिक शिक्षा को समाप्त करने के लिए एएमयू अधिनियम में संशोधन किया गया था। फरवरी, 2019 को एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे मुद्दे को भेजा गया था संविधान पीठ के पास सुप्रीम कोर्ट ने 12 फरवरी, 2019 को एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे के बेहद विवादास्पद मुद्दे को सात न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज दिया था। इसी तरह का संदर्भ 1981 में भी दिया गया था। एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे का मुद्दा पिछले कई दशकों से कानूनी चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। एस अजीज बाशा बनाम भारत संघ मामले में आया था ये निर्णय।

राम की भक्ति में भक्त मय हुआ महमूदाबाद

द अचीवर टाइम्स। सुशील अवस्थी

महमूदाबाद सीतापुर। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के तहत धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों से भक्तिमय हो उठा महमूदाबाद, तहसील परिसर में एसडीएम के नेतृत्व में सुंदरकांड, लाइव प्रसारण, हवन-पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मां संकटा देवी धाम, श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सहित अधिकांश मंदिरों पर दीपोत्सव व आतिशबाजी के साथ रामभक्तों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी मनायी। पूरे नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों ने दीपक जलाने के साथ अपने घरों को विद्युत लाइटों से जगमग किया। रामोत्सव के तहत तहसील परिसर में सोमवार को एसडीएम शिखा शुक्ला ने अन्य कर्मचारियों के साथ सुंदरकांड का आयोजन किया। हवन पूजन के बाद शुरू हुये भंडारे में विधायक आशा मौर्या, सीओ दिनेश शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार गुप्त, मां संकटा देवी प्रबंध समिति अध्यक्ष आरके वाजपेयी, नगर पंचायत पैंतेपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि उरूज आलम, रामकुमार नन्हा, कोतवाल ओमवीर सिंह, पूर्व तहसीलदार सुखवीर सिंह, नायब तहसीलदार दीक्षा शुक्ला, वाजिद हुसैन, दीनानाथ यादव, मोहन प्रसाद बारी, भाजपा जिलामंत्री सुधीर सिंह, नगर अध्यक्ष रमाशंकर वर्मा, विजय सिंह तोमर, रवि अवस्थी, ललित सिंह, सुशील गौड़ सहित हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सीता ग्रुप आफ एजूकेशन के विद्यार्थियों ने हनुमान चालीसा व कई राम गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। एसडीएम व मां संकटा देवी धाम समिति के अध्यक्ष आरके वाजपेयी द्वारा कार्यक्रम में प्रस्तुतियां देने वाले सभी विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। एसडीएम शिखा शुक्ला ने राम गीत सुनाकर लोगों को रामोत्सव की बधाई दी। रात्रि में पूरे तहसील परिसर को हजारों दीपकों से सजाया गया। मां संकटा देवी धाम में सायंकालीन आरती के पश्चात 51 सौ दीपकों से सरोवर के बने भव्य घाट, सभी मंदिरों, यज्ञशाला सहित विशाल परिसर को सजाया गया। रामोत्सव के अवसर पर मां संकटा देवी धाम परिसर में करीब दो घंटें तक चली आतिशबाजी का लोगों ने आनंद लिया। रामकुंड चौराहा स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर शिव मंदिर ठठेरी बाजार बजाजा चौराहे सहित पूरे रामकुंड चौराहे को आकर्षक ढ़ग से सजाया गया एवं ठठेरी बाजार से भव्य शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर मनोज शुक्ला, कपिल अवस्थी रोशन मिश्रा, कृतार्थ मिश्रा, नीरजजायसवाल, शुकुरु ददू मुकेश याज्ञसेनी सुजीत रस्तोगी ,कुँवर जी रस्तोगी राहुलजायसवाल ,प्रेम पाण्डेय एवम सभी सनातन धर्म प्रेमी बंधुओं ने बढ़ चढ़ कर सामिल हुए बाद में सभी मंदिर में सम्पन्न हुयी सायंकालीन आरती के पश्चात शानदार आतिशबाजी के साथ रामोत्सव मनाया गया। पूरा क्षेत्र प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर राममय नजर आया। शाम को क्षेत्रभर में दीवाली सी जगमग दिखी। घरों को विद्युत लड़ियों, मोमबत्तियों के साथ दीपकों से सजाकर लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाया।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगी स्क्वाड्रन लीडर सुमिता यादव

नई दिल्ली। सुमिता यादव ने बैस्टिल डे परेड में भी भाग लिया था, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पेरिस में चैंप्स एलिसीज में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने पर संतोष व्यक्त करते हुए, सुमिता यादव ने कहा, %बैस्टिल दिवस के दौरान सैन्य दल के हिस्से के रूप में विदेशी धरती पर हमारे प्रधानमंत्री को सलामी देना एक गर्व का क्षण था। पिछले साल जुलाई में पेरिस में बैस्टिल डे परेड में मार्च करने वालीं भारतीय वायु सेना अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर सुमिता यादव इस साल के गणतंत्र दिवस परेड में भी हिस्सा ले रही हैं। सुमिता यादव ने बैस्टिल डे परेड में भी भाग लिया था, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पेरिस में चैंप्स एलिसीज में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने पर संतोष व्यक्त करते हुए, सुमिता यादव ने कहा, बैस्टिल दिवस के दौरान सैन्य दल के हिस्से के रूप में विदेशी धरती पर हमारे प्रधानमंत्री को सलामी देना एक गर्व का क्षण था।

हर किसी के प्रेरणा स्रोत बने आईपीएस एसएम क़ासिम आब्दी

लखनऊ कमिश्नरेट में हर किसी के ज़ुबा पर क़ासिम आब्दी का नाम

द अचीवर टाइम्स। राज जायसवाल

लखनऊ। आईपीएस अधिकारी तो तमाम है लखनऊ में लेकिन सैयद मोहम्मद कासिम आब्दी की बात ही अलग है। राजधानी लखनऊ में जिस तरह से उनकी छवि है हर कोई प्रभावित है चाहे पुलिस विभाग हो या पत्रकार या आम जनता, व्यापारी उनके कार्य करने के अंदाज से हर कोई प्रभावित है। लखनऊ में अब तक एसीपी काकोरी, एडीसीपी पूर्वी, डीसीपी उत्तरी में जिस तरह से उन्होंने कार्य किया है काबिले तारीफ़ है। उनके नेतृत्व में पुलिस टीम को भी काफी मदद मिली है। इतने कम समय में क़ासिम आब्दी के हर जिले में उनकी चर्चा है क्योंकि जो लोग भी उनके साथ काम करके अलग-अलग जिलों में गए है पुलिस महकमें में तारीफ़ करते नही थकते क़ासिम आब्दी योगी सरकार के बताए हुए दिशा निर्देशों को बखूबी पालन करवाते नजर आते हैं इसके अलावा हर थाना क्षेत्र में जाकर पैदल गस्त ताकि जनता अपने आप को सुरक्षित महसूस करें कोई घटना घटित न होने पाए इसके लिए पुलिस टीम से अर्दली वार करते है लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस का भी मान सम्मान बढ़ जाता है। जब जनता खुद तारीफ करती है ऐसे आईपीएस अफसर की मौजूदा समय में डीसीपी उत्तरी में अपनी बेहतरीन जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कुछ दिनों पहले डीसीपी उत्तरी क्राइम सेल टीम ने कई लोगों के मोबाइल ढूंढ कर दिए इसके बाद लोग ना जाने कौन-कौन से जिले से आए हुए थे। उन्होंने कहा कि हमारे जिले के पुलिस कप्तान ऐसे ही हो हर कोई उनको अपने जिले का पुलिस कप्तान के रूप में देखने के लिए बेचैन है। अब यह देखना है कि योगी सरकार ऐसे ईमानदार अफसर को जिले की कमान कितनी जल्द देगी। उनकी काबिलियत के चर्चे लखनऊ के कई कॉलेजों में भी हैं कई छात्र उनसे प्रभावित होकर किस तरह से पढ़ाई किया जाए किस तरह से लोगों से मिला जाए उनसे प्रेरणा लेने लगे हैं।

एक नज़र

देश के प्रधानमंत्री युवाओं को करंगे संबोधित-अमल खटीक

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। भाजपा जिला कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया तो वही प्रेस वार्ता को संबोधित करने के लिए भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री अमल खटीक उपस्थित रहे और प्रदेश मंत्री अमल खटीक ने बताया कि आगामी 25 जनवरी को पूरे देश में लगभग 5000 स्थान पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र भाई मोदी युवाओं को संबोधित करेंगे इसी क्रम में हापुड़ जिले के तीनों विधानसभा में 6 स्थान पर यह कार्यक्रम लाइव प्रसारित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री पुनीत गोयल, श्यामेंद्र त्यागी, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा दीपक भाटी व मोर्चा की टीम उपस्थित रही।

स्वाट टीम को एसपी अभिषेक वर्मा ने किया सम्मानित

सरफराज हत्याकांड का खुलासा

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। थाना गढ़मुक्तेश्वर में 7 जनवरी 2024 को ग्राम बदरखा नहर के पास मिले शव की पहचान कर क्षेत्रांतर्गत हुई हत्या की घटना का खुलासा कर दो हत्यारोपो को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली जनपदीय स्वाट टीम को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा उत्साहवर्धन हेतु 20 हजार रुपये नकद पुरूस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तो वही जनपदीय स्वाट टीम के लोगों के चेहरे पर खुशी की झलक साफ-साफ दिखाई दी और जनपदीय स्वाट टीम के लोगों ने सम्मानित करने के लिए पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा को आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद कहा।

निर्माण कार्यो का पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी ने किया शिलान्यास

द अचीवर टाइम्स। ब्यूरो रिपोर्ट

हापुड़। नगर पालिका क्षेत्र वॉर्ड नंबर 4 के मौहल्ला सर्वोदय कॉलोनी में पार्क के सौंदर्यकरण व कृष्णा सिरोही व प्रदीप वाली गली में नाली और इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी ने शिलान्यास कर कुछ राहत देने का कार्य किया। तो वही वार्ड नंबर 4 के सभासद जगन सिंह ठेकेदार द्वारा बताया गया कि 2 लाख 33 हजार रुपए के करीब लागत से मौहल्ला सर्वोदय कॉलोनी के पार्क के सौंदर्यकरण व 15 लाख रुपए की लागत से बनने वाले कृष्णा सिरोही व प्रदीप वाली गली में नाली और इंटरलॉकिंग से बनने वाले सड़क निर्माण कार्य का नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी द्वारा शिलन्यास किया गया है। तो वही नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी ने कहा कि शहर में नाली,खड़ंजे, सड़कों के निर्माण व साफ सफाई व्यवस्था के साथ पानी की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए आधिकारीयो को निर्देश दिए हुए हैं क्योंकि शहर का विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है और बोर्ड बैठक में प्रस्तावित वाकी के हर वार्ड में होने वाले निर्माण कार्यो का शीघ्र शिलान्यास कर निर्माण कार्य चालू कर दिए जाएंगे। इस अवसर पर नगर पालिका कर्मचारी एवम वार्ड नं 4 के सभासद जगन सिंह ठेकेदार सहित समस्त वार्डवासी भी उपस्थित रहे।

सीता इंटर कालेज में रामोत्सव पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम

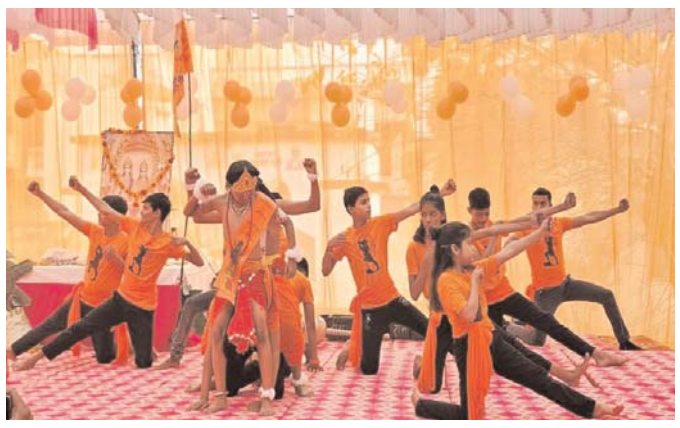

द अचीवर टाइम्स। सुशील अवस्थी

महमूदाबाद। सीतापुर रंगोली धार्मिक परम्पराओं का प्रतीक है। विभिन्न मांगलिक कार्यों, यज्ञवेदी निर्माण के दौरान रंगोली बनाई जाती है। यह अति प्राचीन लोककला है। श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सीता ग्रुप आफ एजूकेशन की छात्राओं द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के साथ नवनिर्मित भव्य राम मंदिर की रंगोली आकर्षक ढंग से सजाई गई। कालेज पहुंची क्षेत्रीय विधायक ने आकर्षक रंगोली का निरीक्षण कर दीप जलाकर आतिशबाजी करते हुये रामोत्सव मनाया। 22 जनवरी को अयोध्या धाम में बने दिव्य एवं भव्य राम मंदिर में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सीता ग्रुप आफ एजूकेशन की छात्राओं अपूर्वा वर्मा, अर्चिता वर्तिका, सृष्टि व आराध्या के द्वारा कालेज परिसर में नवनिर्मित राम मंदिर सहित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के चित्र का संजीव चित्रण करते हुये आकर्षक रंगोली सजाई गई। क्षेत्रीय विधायक आशा मौर्या ने कॉलेज पहुंचकर दीपक जलाने के साथ आतिशबाजी कर रामोत्सव मनाया गया। छात्राओं द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोली की उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए बधाई दी। इस अवसर पर कॉलेज के डिप्टी मैनेजर वागीश दिनकर वाजपेयी, प्रदीप सिंह, विजय सिंह, हिमांशु, रवि अवस्थी, शरद सिंह चौहान, प्रांजल दुबे, शिवम श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मंदिरों में रामचरितमानस पाठ एवं भंडारे का कार्यक्रम

द अचीवर टाइम्स। प्रिंस पांडेय

जनपद सीतापुर के अंतर्गत ब्लॉक पहला ग्राम महिमापुर में सभी के सहयोग से दिव्य भव्य भगवा पदयात्रा रैली, और रामचरितमानस पाठ एवं भण्डारा कार्यक्रम श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा को बड़ी ही धूम धाम से मनाया। श्री राम ज्योति जला कर दिवाली मनाई गई। सभी ग्राम वालों के सहयोग से एवं कमेटी के सदस्य के माध्यम से संपन्न कराया गया।

कमेटी के सदस्य राजेश पांडे, सुशील, मनजीत वर्मा, रामहर्ष रावत, ललित वर्मा, रमेश गुप्ता, संदीप वर्मा, गोविंद प्रसाद, आदि। दूसरी ओर सीतापुर सिकंदर पुर में मां भगवती माता मंदिर पर भक्तों ने, श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा को बड़ी ही धूम धाम से मनाया। श्री राम ज्योति जला कर दिवाली मनाई गई और प्रसाद वितरित किया गया। जिसमें भोला सिंह, धर्मपाल सिंह, अतुल सिंह, आयुष सिंह, सत्यम सिंह, गौरव सिंह, शालू सिंह, अशोक सिंह, अंश सिंह और सभी ग्रामवासी शामिल हुए।

सड़क दुर्घटना में हुई युवक की मौत

सूरतगंज बराबंकी। थाना क्षेत्र में प्राप्त जानकारी के अनुसार नसीर अहमद पुत्र यार मोहम्मद उम्र लगभग 35 वर्ष जो की बाइक से अपने घर लालपुर आ रहा था तभी अचानक रोड पर मरा हुआ गधा का शव इमलीपुर थाना मोहम्मदपुर खाला के पास पड़ा हुआ था जिससे अचानक बाइक सवार की गाड़ी भीड़ गई जिसमें बाइक सवार के सिर पर गंभीर चोट लग गई सूचना मिलते ही मौके पर थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस पहुंचकर एंबुलेंस की सहायता से युवक को सीएससी सूरतगंज आनंन-फानन में पहुंचाया जहां डॉक्टरों द्वारा बाइक सवार नसीर अहमद निवासी लालपुर थाना मोहम्मदपुर खाला को मृत्य घोषित कर दिया वहीं परिवार जन को सूचना मिलते ही पूरे घर में कोहराम मच गया पुलिस द्वारा पंचनामा कर शव को पीएम के लिए बाराबंकी भेज दिया गया।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा देश के प्रति दिए गए बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता: पंडित गोपाल शर्मा

ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी ने मनाई सुभाष चन्द्र बोस की जयंती

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रदेश कार्यालय कुचेसर रोड चौपला पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के प्रतीक चिन्ह पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई और कार्यालय पर जयंती कार्यक्रम उपरांत पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने कुचेसर रोड चौपला स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयंती मनाकर नेताजी को याद कर कहा कि देशभर में 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई जाती है। इस अवसर पर पंडित गोपाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया, उन्होंने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा भी देश को दिया, जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। आज भी भारतवासी उन्हें नेताजी के नाम से संबोधित करते हैं, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा देश के प्रति दिए गए बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पंडित गोपाल शर्मा ने पार्टी पदाधिकारियों सहित सिखेड़ा स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब को याद किया। इस अवसर पर पंडित लोकेश शर्मा प्रदेश मीडिया प्रभारी, अब्दुल्ला सैफी प्रदेश महासचिव पश्चिम उत्तर प्रदेश, एनके त्रिपाठी, नरेंद्र शर्मा, अनिल शर्मा, जितेंद्र शर्मा, गौरव शर्मा, देवेंद्र शर्मा प्रधानाचार्य, शिवम शर्मा, बच्चन शर्मा, कुलदीप शर्मा, सुनील शर्मा, महेश चंद शर्मा, बालकिशन शर्मा, आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्य के नाम पर लीपापोती की सोशल मीडिया पर हुई तस्वीर वायरल

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ के गढमुक्तेश्वर तहसील के मौहम्मदपुर रूषतमपुर का मामला सामने आया है जहाँ ठेकेदार द्वारा सडक पर इंटरलॉकिंग टाईल द्वारा निर्माण कार्य के बगल मे बिना मिट्टी गारा के कच्ची ईट लगाने का कार्य किया जा रहा था तभी एक ग्रामीण ने मामले का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मीडिया के अनुसार जहां काम के नाम पर बडी धांधली कर जनता की ऑखो मे धूल झौककर ठेकेदारो द्वारा कटती है चांदी देखते हैं। वायरल बिना मिट्टी गारा के कच्ची ईट लगाने का कार्य की तस्वीर पर जिला प्रशासन अधिकारियों के साथ क्षेत्र बीडीओं की नज़र पडती है या नहीं। तो वही मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के कार्य करने पर ठेकेदार पर क्या कार्रवाई करते हैं बीडीओं महोदय गढ़मुक्तेश्वर। क्या ग्राम प्रधान की नाक के नीचे होते रहेंगे सड़क निर्माण के इस प्रकार के कार्य।

प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर काव्य सन्ध्या और सम्मान समारोह

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़ में अयोध्या मे हुए श्री राम के मंदिर के शुभारम्भ के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य संघ के तत्वावधान में गान्धर्व संगीत महाविद्यालय में काव्य सन्ध्या और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक वरिष्ठ कवि गुनवीर राणा ने की और संचालन संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री कवि डॉ सतीश वर्द्धन ने किया। काव्य सन्ध्या में अतिथि के रूप में राष्ट्रीय संरक्षक महाकवि देवेंद्र देव मिर्जापुरी देश के प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित कवि डॉ आलोक बेजान और सुविख्यात कवि राजीव सिंघल रहे। क्षणो वही कवयित्री डॉ तारा गुप्ता , कवि राज चैतन्य, कवि रामवीर आकाश ने सभी कवियों, कवयित्रियों और साहित्यकारों का फूलमाला और पटका पहना कर व तिलक लगा कर स्वागत किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुविख्यात कवि डॉ अनिल बाजपेयी ने संस्था के उद्देश्यों और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था देश मे साहित्य के क्षेत्र में अपनी बड़ी भूमिका निभाने जा रही है कवियों और साहित्यकारों को देश मे बड़े मंच प्रदान करेगी संस्था साथ ही कॉलिज व विश्व विद्यालयो में वाद विवाद प्रतियोगिता व कविता प्रतियोगिता आयोजित करेगी। जिससे साहित्य के क्षेत्र में नयी नयी प्रतिभाएं निखर कर सामने आएंगी। कवयित्री सोनम यादव ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गान्धर्व संगीत महाविद्यालय की होनहार संगीत की विद्यार्थी कु. उर्वशी ने राम के भजन पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। आयोजन में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को ध्यान में रखते हुए कवि गुनवीर राणा को साहित्य शिरोमणि और कवि रामवीर आकाश व कवयित्री डॉ तारा गुप्ता को साहित्यश्री सम्मान से सम्मानित किया। वरिष्ठ कवि गुनवीर राणा ने जब ये रचना पढ़ी तो सभागार तालियों से गूंज उठा उनकी रचना के बोल थे कि राम जी तो सरयू के नीर में नहा रहे थे राम जी के नीर में नहा रही थी सरयू। सरयू को सरयू बना रहे थे राम जी तो राम जी को राम जी बना रही थी सरयू। कवि डॉ अनिल बाजपेयी ने पढ़ा कि- **राम इन हवाओं में हैं ! राम इन फिज़ाओं में हैं ! राम नीले अंबर में हैं! राम समंदर में हैं! राम ओम में हैं, राम व्योम में हैं! राम गीत में हैं, राम संगीत में हैं!** कवि डॉ आलोक बेजान ने पढ़ा कि- **संतों की चरण धूल भी चंदन है अवध में। आतुर दर्शन को भी जन-जन है अवध में ।। सदियों के बाद लौट के आये हो अपने घर । दशरथ के लाड़ले तेरा वंदन है अवध में।** कवि देवेंद्र देव ने पढ़ा कि- **रट रट राम राम घट भरे अविराम निज मन आज राम रंग में रँगाइये। रंग में न होगा भंग होगा संग राम रंग रामरंग मे रँग राम राम गाइये।** कवयित्री डॉ तारा गुप्ता ने पढ़ा कि- **प्रश्न सभी हल हुए कर्म हुए निष्काम। मैंने जब जब भी जपा राम राम श्री नाम।** कवि राज चैतन्य ने पढ़ा कि **रामलला आ गए लो अवध धाम में। भगवा ध्वज छा गया राम के नाम में। उन भक्तों को हमारा शत शत नमन, जो प्राण भी दे गए,राम के काम में।** कवि राजीव सिंघल ने पढ़ा कि- **तुझको चाहा मेरे मेहरबां। अब तो आजा मेरे मेहरबां ।। मैं तेरा हूँ तेरा ही तो हूँ । दूर ना जा मेरे मेहरबां ।।** कवि डॉ सतीश वर्द्धन ने पढ़ा कि- **धरा गगन भी हर्षित हो गये पुलकित तन मन पुण्य ही पा गये। कलियुग का वनवास भोगकर राम अवध में वापिस आ गये।।** कवि रामवीर आकाश ने पढ़ा कि **आँसुओं से अगर नैन भर जायेंगे। नाव कागज की लेकर किधर जायेंगे। राम के नाम की लेके पतवार हम, भव सागर से भी यूँ तर जायेंगे,** कवि राम आसरे गोयल ने पढ़ा कि- **शबरी की तरह व्याकुल थी,जन - जन की अभिलाषा। हो नगरी अयोध्या जैसी,मन मंदिर की रख आशा।।** कवयित्री सोनम यादव ने सरस्वती वंदना पढ़ते हुए कहा कि **विधात्री मुझे ऐसी अनुपम विधा दे, सुरों में समाई वो रसमय सुधा दे।जला दे जगत में वही ज्ञान दीपक, हृदय तृप्त कर दे वो मधुमय क्षुधा दे।** कवि दिनेश त्यागी ने सुंदर दोहे पढ़े उनके बोल थे कि **बहुत सहे हैं टैंट में , जाड़ा वर्षा घाम। युग परिवर्तन के लिए,लौट आए प्रभु राम।** कवि ओम पाल विकट ने पढ़ा कि **भेज दिए हैं पूजित अक्षत घर घर तुम्हे बुलाने को। मंदिर का उद्घाटन होगा भूल न जाना आने को।** कवि विजय वत्स ने पढ़ा कि **ये कैसी हवा चली ये कैसी हवा चली,सच्चा है निर्बल और झूँठा है महाबली।** कवि सौरभ राणा ने पढ़ा कि **लोकहितकारी हुआ राम का स्वधाम त्याग,त्राहि त्राहि थी धरा पे उसको मिटा दिया। दानवता मानव पे करे ना कुठार वार,इसी हेतु जीवन ये वन में बिता दिया। करके प्रहार-वार राक्षसी प्रवृत्तियों पे,मद में भरे सभी के घट को रिता दिया। पापी उद्दंड का घमंड हुआ हुआ चूर- चूर,राम की सहजता ने राम को जिता दिया।** कवि दिव्य हंस दीपक ने पढ़ा कि **राम का फिर अवध में निलय हो गया। राम में मन सभी का विलय हो गया ।। चांद, सूरज, पवन, ये धरा और गगन, आज वातावरण राममय हो गया ।।** कवि प्रेम कुमार पाल ने पढ़ा कि **सबका योगदान अवध पुण्य धाम हो गया। राम का विरोध राम का हीकाम हो गया। पाप सभी कैकयी ने अपने सर पे ले लिए, कौशलया मां का राम सबका राम हो गया।** कवि प्रशांत कुमार ने पढ़ा कि- **अच्छे लोग कभी भी तलबगारों में नही मिलते। और जो कमजर्फ होते हैं मददगारों में नही मिलते।** कवि कपिल वीर ने पढ़ा कि **कमा लेता हूँ लाखों आजकल में चंद लम्हों में, मगर वो बात गायब है जो उन लम्हों में आती थी। मेरी माँ के फटे थैले में कोई जिन्न था शायद,ख्वाहिश जो भी करता हूँ वो मुकम्मल हो ही जाती थी।** कवि पुष्पेंद्र पंकज ने पढ़ा कि **जिसने गाई राम चौपाई,हनुमत कृपा उसी पर आई। वाल्मीकि की लेखनी में पुण्य सनातन नीति समाई।** कवि मुकेश दक्ष ने पढ़ा कि **उबड़ खाबड़ रास्ते भी समतल हो सकते हैं। कोशिश की जाये तो मुद्दे हल हो सकते हैं।** कवि आशु सिंह ने पढा कि **दीप जले घर घर में जगत हुआ उजियारा है। श्री राम अवध में लौटे हैं ये पल कितना प्यारा है।** अंत मे संस्था के प्रदेश अध्यक्ष राज चैतन्य ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाये देते हुये सभी साहित्यकारों का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

दूसरे-तीसरे चरण में बनेगा राम दरबार, भव्य परकोटा, स्वर्ण कलश शिखर

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में रामलला विराज चुके हैं। सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही 22 जनवरी 2024 की तारीख इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। मंगलवार से मंदिर को आम लोगों के लिए भी खोल दिया गया। सुबह से ही राम जन्मभूमि परिसर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। जिस मंदिर में भगवान राम विराजे हैं वह राम मंदिर परियोजना का पहला चरण था। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब मंदिर के बाकी हिस्से का काम होगा जिससे राम मंदिर का स्वरूप और भी दिव्य और भव्य हो जाएगा। पूरे मंदिर को तीन चरणों में पूरा किया जाना है।

9 नवंबर 2019 को सर्वोच्च अदालत के फैसले से अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। जिस स्थल को लेकर सदियों तक लड़ाई चली सर्वोच्च न्यायालय ने उसे श्रीराम जन्मभूमि माना। इसी के साथ 2.77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी गई। अब बारी थी निर्माण की। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। ठीक छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जिसमें पीएम मोदी शामिल हुए। भूमि-पूजन के साथ ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर के पहले चरण का आधिकारिक तौर पर निर्माण शुरू हो गया। राम मंदिर के निर्माण का काम एलएंडटी कंपनी को मिला है। निर्माण शुरू होने के करीब तीन साल बाद मंदिर के पहले चरण का काम पूरा हुआ। राम मंदिर का पूरा परिसर 70 एकड़ में फैला है। परिसर में मुख्य मंदिर 2.7 एकड़ में बनाया जा रहा है, जिसकी ऊंचाई 161 फीट है। एक बार पूरा होने पर मंदिर में तीन तल होंगे और 12 द्वार होंगे। फिलहाल मंदिर का भूतल, प्रवेश द्वार और गर्भगृह बना है। पहला और दूसरा तल निर्माणाधीन है। इसके भूतल पर पांच मंडप बनाए गए हैं जिनमें गृह मंडप, कीर्तन मंडप, नृत्य मंडप, रंग मंडप और प्रार्थना मंडप शामिल हैं। मंदिर की परिक्रमा गोलाई में बनाई गई है। इस तरह से मंदिर की अनुमानित लागत ?1,800 करोड़ है।

राम मंदिर की निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर परिसर में आगे की निर्माण योजना पर जानकारी देते हुए कहा है कि पूरा मंदिर 2024 के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया, %हम 23 जनवरी से नए उत्साह और नई प्रतिबद्धता के साथ अपना काम शुरू करेंगे ताकि 2024 में ही पूरा मंदिर बनाया जा सके। मंदिर में परकोटा बनाया जा सके। मंदिर परिसर में सात और मंदिर बनाए जाने हैं जो सामाजिक समरसता के प्रतीक होंगे।%

हाल ही में जिस मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है, उसका दूसरा और तीसरा तल अभी बन रहा है। इस मंदिर में एक मुख्य शिखर और पांच उप शिखर भी बनने हैं। मंदिर में 392 खंभे हैं जिसमें से 166 खंभे भूतल पर, 136 प्रथम और 90 द्वितीय तल पर हैं। हर खंभे में देवी-देवताओं, नृत्यांगनाओं, देव कन्याओं, यक्ष और गंधर्वों की मूर्तियां उकेरी जा रही हैं। इन मूर्तियों की संख्या छह हजार से ज्यादा होगी। प्रथम और द्वितीय तल पर यह काम अभी जारी है जबकि भूतल पर पूरा कर लिया गया है।

प्रथम तल पर भगवार राम राज सिंहासन पर राजा के रूप में विराजेंगे। राम दरबार होगा जिसमें सीता जी रानी के रूप में होंगी। एक तरफ भाई लक्ष्मण और दूसरी तरफ दो अन्य भाई भरत और शत्रुघ्न होंगे। इसके अलावा राम दरबार में गुरू और मंत्रीगण भी शामिल होंगे। मंदिर के द्वितीय तल पर एक भव्य परकोटा बनाए जाने की योजना है, जिससे मंदिर परिसर चारों तरफ से घिर जाएगा। जानकारी के अनुसार, परकोटे की थीम रामनगरी के संत-धर्माचार्यों और रामकथा के मर्मज्ञ लोगों की राय से तैयार की गई है। परकोटे की चौड़ाई 14 फीट होगी जो कि प्रदक्षिणा पथ के रूप में भी उपयोग होगा। राम मंदिर का परकोटा 60 फीट ऊंचा होगा। भव्य परकोटा में सात मंदिर बनाए जाएंगे जिनमें भगवान विष्णु, शिव, ब्रह्मा, गणेश, हनुमान, दुर्गा और सरस्वती की मूर्तियां स्थापित होंगी। परकोटे में भारतीय संस्कृति, धार्मिकता को दर्शाती तरह-तरह की नक्काशी भी की जाएगी, जो परिसर की भव्यता बढ़ाएगी। इसके अलावा राम मंदिर के अंदर भगवान राम से जुड़े सात पात्रों महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, गोस्वामी तुलसीदास, अहिल्या, महर्षि अगत्स्य, निषादराज और माता शबरी को भी स्थान दिया जाना है। आने वाले समय में इनका निर्माण भी शुरू होगा। वहीं राममंदिर के साथ-साथ रामजन्मभूमि परिसर में रिटेनिंग वॉल और यात्री सुविधा केंद्र बनाया जाना है जिनके निर्माण का काम भी जारी है

रोकी गईं अयोध्या जाने वाली सभी रोडवेज बसें

भारी भीड़ को देखते हुए यूपी रोडवेज के MD ने लिया फैसला

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर की तरफ जाने वाले रास्तों को पांच किलोमीटर पहले बंद कर दिया गया है। इधर बाराबंकी और लखनऊ की तरफ से अयोध्या की तरफ जाने वाली बसें रोक दी गई हैं। अयोध्या राम मंदिर में भारी भीड़ को देखते हुए अयोध्या जाने वाली यूपी रोडवेज की सभी बसें रोक दी गई हैं। परिवहन निगम के महाप्रबंधक ऑपरेशन मनोज पुंडीर ने बताया कि अयोध्या जाने वाली सभी मार्ग कि बसों का संचालन बंद किया गया है। भीड़ कम होने पर इसकी समीक्षा की जाएगी। अयोध्या में मंदिर की ओर जाने वाले सभी रास्तों को चार से पांच किलोमीटर पहले ही बंद कर दिया गया है। सिर्फ पैदल यात्रियों को ही लाइन से पैदल जाने की अनुमति मिली है। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। सुबह से भारी संख्या में लोग मंदिर के बाहर जमा हो गए थे। जिससे प्रशासन के सामने अव्यवस्था के हालात पैदा हो गए थे। परिवहन निगम के महाप्रबंधक ऑपरेशन मनोज पुंडीर ने बताया कि अयोध्या जाने वाली सभी मार्ग कि बसों का संचालन बंद किया गया है। लखनऊ जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि अभी कोई भी यात्री अयोध्या न भेजे जाएं। बढ़ती हुई भीड़ को नियंत्रण करने में समस्या हो रही है। इसके बजाय यहां से लोगों को अन्यत्र भेजने की व्यवस्था की जाएं। कृपया दो घंटे के लिए अयोध्या की सेवाएं स्थगित रखें। अयोध्या से आगे के यात्रियों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है। सभी क्षेत्र अनुपालन सुनिश्चित करें। बाराबंकी के जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि परिवहन निगम की कोई भी बस अभी अयोध्या नहीं जा सकेगी क्योंकि अयोध्या में बढ़ती हुई भीड़ का नियंत्रण करने में समस्या हो रही है। लखनऊ से गोरखपुर मार्ग पर जाने वाली बसें रामनगर- गोंडा होते हुए संचालित कराई जाएं।

एक नज़र

कड़ाके की ठंड से कांपा प्रदेश, मेरठ में टूटा 21 साल का रिकार्ड, घने कोहरे की चेतावनी

लखनऊ। कड़ाके की ठंड से प्रदेश कांप रहा है। मेरठ में ठंड का 21 साल का रिकॉर्ड टूटा और न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं अयोध्या 2.5 डिग्री सेल्सियस के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कानपुर और मुजफ्फरनगर में तापमान 2.6 डिग्री दर्ज हुआ। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पारे में 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई। जबकि दिन चढ़ने के साथ ही धूप निकलने के कारण अधिकतर स्थानों पर अधिकतम तापमान में बदलाव बहुत ज्यादा नहीं रहा। दो तीन दिन तक मौसम ऐसा ही रहने के आसार हैं, साथ ही घना कोहरा और पाला पड़ने की चेतावनी भी दी गई है। मेरठ में गंभीर शीत लहर के साथ प्रदेश के कई इलाके शीत लहर की चपेट में रहे। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, 2003 में मेरठ इतना ठंडा हुआ था, यहां पर जनवरी में तापमान 1..5 डिग्री पहुंचा था। वहीं 1967 में 0.2 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज हुआ था न्यूनतम तापमान। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, मेरठ में पारे में 4.5 डिग्री की गिरावट आई। सोमवार को पारा 6 डिग्री था। वहीं कानपुर में 4.8 डिग्री की गिरावट आई, 7.4 डिग्री से गिरकर पारा 2.6 हो गया, मुजफ्फरनगर में भी तापमान 4.3 डिग्री लुढ़का, एक दिन पहले 6.9 डिग्री था। अयोध्या में 5 डिग्री की गिरावट रही, पारा एक दिन पहले 7.5 था।

अद्भुत पल, लग रहा था राम जी स्वयं आ गए

लखनऊ। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने गए जिले के लोगों का उत्साह और उनकी खुशी बयान करते हुए शब्द कम पड़ रहे हैं। वहां पहुंचे जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य लोगों ने कुछ यूं बयां किया। जिले से जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रहरि, भीमी निवासी पद्मश्री विभूषित सुधा सिंह, बाबूगंज सगरा आश्रम पीठाधीश्वर शिवयोग स्वामी मौनी महराज, मई घटकौर स्थित कबीर मठ के जियालाल महराज, मुसाफिरखाना के कंजास स्थित महावीरन के लफड़ा दास जी महाराज और जामो के राकेश विक्रम सिंह अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सोमवार को शामिल हुए।भीमी निवासी पद्मश्री विभूषित सुधा सिंह सोमवार को अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से निकलने के बाद वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि सौभाग्य है कि आज इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने, अद्भुत पल था। ऐसा लग रहा था कि प्रभु राम जी आ गए हैं। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए कहा कि आज दुनिया में अयोध्या का नाम गूंज रहा है।जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने कहा कि अद्भुत क्षण का एहसास हुआ, जिसे बयान नहीं किया जा सकता। सभी समाज के प्रेरक और अगुआ कार्यक्रम में शामिल हुए। ऐसा आयोजन जीवन में देखने को नहीं मिला है। राम मंदिर आंदोलन में कार सेवा से लेकर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि वह भाव विभोर हैं। शिवयोगी स्वामी मौनी महराज ने कहा कि भगवान श्री राम आज विग्रह रूप में अपने मंदिर में विराजमान हुए। यह सनातन धर्म और हिंदुओं के लिए गौरव का पल है। उन्होंने रामलाल आए मेरे जय जय श्री राम गाए जा गीत के माध्यम से भगवान के प्रति अपनी भावना प्रकट की। कहा कि 37 वर्षों की तपस्या का आज फल मिला। देश ही नहीं विदेशों में भी आज सनातन और हिंदू धर्म की जो आस्था दिखी है वह बया नहीं की जा सकती। कबीर मठ के जियालाल महराज ने बताया कि वह अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। कहा कि घट घट में राम हैं। उन्हीं राम जी का जन्म भूमि पर विग्रह रूप में प्राण प्रतिष्ठा की गई। अपार जन समूह और संत की भीड़ आस्था के रूप में दिखी।

अयोध्या पहुंचा भक्तों का हुजूम, टूटे पुराने रिकॉर्ड प्रशासन के छूटे पसीने, करने पड़े वैकल्पिक इंतजाम

संवाददाता

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के अगले ही दिन लाखों की संख्या में लोग अयोध्या राम मंदिर पहुंच गए। इतनी ज्यादा संख्या में पहुंची भीड़ को नियंत्रित करने में प्रशासन के पसीने छूट गए। नव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव पर अयोध्या में रामभक्तों का मेला लग गया। वर्ष के तीन बड़े मेलों चैत्र रामनवमी, सावन झूला व कार्तिक परिक्रमा की तर्ज पर दस लाख से अधिक रामभक्त यहां पहुंच गए। जिला प्रशासन को इतनी अधिक भीड़ जुटने का अनुमान नहीं था। आनन-फानन में वैकल्पिक इंतजाम प्रभावी किए गए। नव्य मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पहले से ही देशभर से दर्शन के लिए रामभक्त अयोध्या पहुंचने लगे थे। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों ने यहीं पर अपने गुरु आश्रमों, मंदिर, होटल, धर्मशाला, रामकथा पार्क, सरयू घाट और अन्य स्थानों पर डेरा डाल रखा था। इनमें वो श्रद्धालु भी शामिल रहे जिन्हें 20 से 22 जनवरी तक तीन दिन अस्थाई मंदिर में रोक के चलते रामलला के दर्शन नहीं मिल सके थे। इसके अलावा तमाम भक्त पड़ोसी जिलों में अपना आश्रय बनाए थे। सोमवार को पीएम के यहां से लौटने के बाद शाम से रात तक और फिर मंगलवार की सुबह उन्होंने अयोध्या का रूख किया। कई जत्थे वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, अंबेडकर नगर, बाराबंकी, बस्ती व गोंडा के रास्तों से आए। ऐसे में रामनगरी में श्रद्धालुओं का कारवां अनवरत बढ़ता ही गया। जिला प्रशासन के एक अफसर ने बताया कि आमतौर पर वर्ष में तीन बार लगने वाले मेलों में ही इतनी भीड़ आने की परंपरा रही है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह चौथा अवसर होगा जब देश के विभिन्न हिस्सों से इतनी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे हैं। पहले से जो अनुमान लगाया गया था उससे भी अधिक श्रद्धालु यहां पहुंच गए हैं। यह सिलसिला लगातार जारी है। पड़ोसी जनपदों के साथ अयोध्या धाम की सीमाओं पर वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगाए जाने के बावजूद लोग पैदल ही आ रहे हैं। डीएम नितीश कुमार ने बताया कि भीड़ काफी आ गई है। पहले से भी लोग मौजूद थे। सभी को सुव्यवस्थित ढंग से दर्शन कराने के प्रबंध किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखकर प्रशासन और पुलिस के भी हाथ पांव फूल गए। प्रशासन ने मजिस्ट्रेटों की व्यवस्था कराई। पुलिस के साथ यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाला। पुलिस ने श्री राम मंदिर पर खुलने वाले सभी मार्गों से प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया। उदया चौराहे, नया घाट, रेलवे पुल, हाइवे से आने वाले सभी रास्तों पर दो पहिया से चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया। दोपहर बाद दर्शन के लिए जन्मभूमि पथ के साथ राम पथ पर वीआईपी गेट के आगे तक श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी हुई थी। प्रशासन और पुलिस के लोग दर्शन कराने के लिए मुस्तैद थे। दर्शन के लिए पहुंचे नवाबगंज गोंडा के रहने वाले राम सुमिरन तिवारी ने बताया कि वह भोर के पांच बजे पहुंचे थे लेकिन पहली बेला वह दर्शन नहीं कर पाए। दूसरी शिफ्ट में दर्शन का प्रयास कर रहे हैं। बीकापुर क्षेत्र के रहने वाले उदय शंकर भी यहां लाइन में थे। उनका कहना था कि उनके भाई यहां रहते हैं। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए आए थे। सोचा मंगलवार को हनुमानजी और राम लला का दर्शन कर लें लेकिन दोपहर तक प्रयास के बाद भी दर्शन नहीं हो पाया। अयोध्या में भारी भीड़ के चलते पड़ोसी जिलों बाराबंकी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर ने भी दोपहर बाद अयोध्या आने वाले बड़े और छोटे वाहनों पर रोक लगा दी है। बताया गया है कि वहां लोगों से कहा जा रहा है कि वाहन से अयोध्या नहीं जाना है। बाराबंकी के जिलाधिकारी सतेंद्र कुमार और अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने छोटे-बड़े वाहनों के अयोध्या जाने पर रोक की बात कही है। रामनगरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते स्कूली बच्चों को ज्यादा दिक्कत हुई। भीड़ के कारण स्कूली वाहन चल नहीं पा रहे थे। स्कूल छूटने के काफी देर बाद बच्चे अपने घर किसी तरह पहुंच पाए। कई अभिभावक स्वयं बच्चों के लाने के लिए स्कूल पहुंचे। एक अभिभावक का कहना था कि दो पहिया वाहन न चलने से उन्हें बच्चों को घर पहुंचाने में दो घंटे लग गए।

रामलला के दर्शन के लिए भक्तों का रेला

यूपी की बिजली कंपनियों की रेटिंग में हुआ सुधार, ज्यादातर कंपनियां बी ग्रेड में आई

संवाददाता

लखनऊ। यूपी की बिजली कंपनियों की सेवाओं में सुधार होने से उनकी रेटिंग में बदलाव हुआ है। ज्यादातर कंपनियां अब सी से बी श्रेणी में आ गई हैं। बिजली कंपनियों की रेटिंग में सुधार हुआ है। ज्यादातर कंपनियां सी ग्रेड से निकलकर बी ग्रेड में आ गई हैं। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के उपक्रम आरईसी द्वारा जारी वित्तीय वर्ष 2022-23 की उपभोक्ता सेवा रेटिंग में उत्तर प्रदेश की तीन बिजली कंपनियां पूर्वांचल, मध्यांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में बिजली आपूर्ति में सुधार, नए संयोजन निर्गत करने में सुधार, त्वरित गति से उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान सहित अन्य सेवाओं में व्यापक सुधार किया गया हैं। भारत सरकार द्वारा 2020-21 से बिजली कंपनियों में प्रतिस्पर्धा एवं सुधार की प्रवृत्ति को बढ़ाने की दृष्टि से प्रतिवर्ष बिजली कंपनियों की उपभोक्ता सेवा के आधार पर रेटिंग जारी की जाती है जिसमें मुख्य तौर पर बिजली सप्लाई के घंटे, नए कनेक्शन निर्गमन में आसानी, भार वृद्धि/घटाना, सही बिल एवं समय पर बिल देना, बिजली बिल वसूली हेतु उपभोक्ताओं को सहूलियत देना, खराब मीटर बदलने सहित अन्य सेवाएं एवं निर्बाध ट्रिपिंग रहित बिजली आपूर्ति जैसे सूचक लिए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 की रेटिंग में उत्तर प्रदेश की पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा शिकायतों के निस्तारण सहित अन्य सेवाओं में व्यापक सुधार कर सी श्रेणी से बी श्रेणी में स्थान बना लिया। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा बिजली आपूर्ति, नए कनेक्शन निर्गमन सहित अन्य सेवाओं में व्यापक सुधार करते हुए सी श्रेणी से बी श्रेणी में स्थान बनाया। इसी तरह दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा बिजली आपूर्ति, नए कनेक्शन सहित अन्य सेवाओं में व्यापक सुधार कर सी श्रेणी से बी श्रेणी में स्थान बना लिया गया है।

तीन दिन में बिके आठ लाख चांदी के श्रीराम सिक्के, बाजार में राम नाम की धूम, अंगूठी की भी भारी मांग

संवाददाता

लखनऊ। श्रीराम मंदिर का सिक्का प्रतीकात्मक रूप से जारी होने के बाद रातों-रात इसकी मांग बेतहाशा बढ़ गई है। बीते तीन दिनों में कोलकाता, कानपुर, हाथरस, लखनऊ व दिल्ली के बड़े कारीगरों से केवल यूपी के लिए 10 लाख सिक्के ऑर्डर किए गए लेकिन 8 लाख की सप्लाई हो सकी। ये सिक्के अयोध्या में आए मेहमानों को बांटने के लिए भी ऑर्डर किए गए थे। ऑल इंडिया गोल्ड स्मिथ ज्वेलर्स फेडरेशन के मुताबिक सिक्कों की ढलाई अब भी रात-दिन चल रही है। पूरे प्रदेश से करीब तीन हजार व्यापारियों के ऑर्डर ढलाई कारीगरों के पास हैं। इसके अतिरिक्त सोने व चांदी के राम मंदिर और राम मंदिर के आकार वाली अंगूठी की मांग बढ़ गई है। यूपी सराफा एसोसिएशन के एके जैन के मुताबिक रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने सराफा बाजार को एक नया अवसर दिया है। राम मंदिर वाले सिक्कों की बढ़ी मांग को देखते हुए बाकी काम रोककर सिक्के बनाने के ऑर्डर दिए गए हैं। ज्वैलरी के एक नेशनल ब्रांड के रीजनल हेड आरके सचदेवा ने बताया कि सोने व चांदी के सिक्के भी ब्रांडेड होने वाले हैं। पांच से 50 ग्राम तक के राममंदिर सिक्के चांदी के तैयार हो रहे हैं और पांच से दस ग्राम के सोने के। सोने के छल्ले पर राममंदिर वाली अंगूठी पहले ही काफी लोकप्रिय हो चुकी है। इसका वजन दस से 26 ग्राम के बीच का है।

शुभ घड़ी में राघव-सिया घर आए... माताओं के चेहरे खिलखिलाए

ये बच्चे नहीं भगवान के प्रसाद हैं

संवाददाता

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा की शुभ बेला में शिशु जनने के बाद परिवार की खुशियां दोहरी हो गई हैं। माताओं ने कहा, ये बच्चे नहीं भगवान के प्रसाद हैं। अयोध्या में सोमवार को जब प्रभु श्रीरामलला की अपने दिव्य व भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, उसी ऐतिहासिक बेला में कई अस्पतालों में भी किलकारियां गूंजीं। सीता-राम रूपी शिशुओं को जनने के बाद माताओं के चेहरे खिलखिला उठे। अधिकतर ने उसी क्षण प्रभु श्रीराम व जगतजननी माता सीता के नाम पर उनका नामकरण कर दिया। शिशुओं को उन्हीं के आदर्शों पर चलने की सीख देने का संकल्प भी लिया। इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हुए प्राण प्रतिष्ठा से मातृत्व को जोड़ने के लिए गर्भवती महिलाएं एक दिन पहले से ही अस्पतालों में भर्ती हो गईं। सुबह से ही लोग प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की शुभ घड़ी की प्रतीक्षा में थे, वहीं ये माताएं भी शिशुओं को उसी मुहूर्त में जनने को लालायित थीं। असहनीय पीड़ा को भी बर्दाश्त करके जिले के अस्पतालों में 12 माताओं ने जैसे ही शिशुओं को जन्म दिया, मानो उनके दर्द स्वतः हर उठे। इसे यादगार बताते हुए सभी ने शिशुओं को प्रभु श्रीराम व माता सीता के आदर्शों पर चलने की सीख देने का संकल्प भी लिया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शालिनी चौहान के अस्पताल में शहर के शंकरगढ़ निवासी शरद यादव की पत्नी साधना यादव ने बालक को जन्म दिया। ऑपरेशन के दर्द से अधिक उन्हें इस शुभ बेला में पुत्र जनने की खुशी थी। शरद ने बताया कि आज पुत्र का जन्म हुआ है, यह उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बेटे का नाम राघव रख दिया है। शहर के बेनीगंज निवासी निशांत श्रीवास्तव की पत्नी अर्चना श्रीवास्तव ने एक पुत्री को जन्म दिया। निशांत ने बताया कि उनके पहले से एक पुत्र था, माता सीता के रूप में जन्मी पुत्री से परिवार पूरा हो गया। परिवार के लोगों ने मिलकर पुत्री का नाम सिया रख दिया है। इसी तरह अन्य अस्पतालों में भी माताएं शिशुओं को जनने के बाद स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही थीं। महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. विभा कुमारी ने बताया कि सात शिशुओं का जन्म हुआ है। इनमें चार बालिका व तीन बालक हैं। मेडिकल कॉलेज की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रीना शर्मा ने बताया कि गुंजन व शिल्पा नामक मरीजों ने दो बालकों को जन्म दिया है।

अयोध्या में जनसैलाब को देखते हुए लखनऊ अयोध्या हाइवे बंद, हजारों लोग रास्ते में ही फंसे

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या में उमड़े जनसैलाब को देखते हुए लखनऊ अयोध्या हाइवे बंद कर दिया गया है। सभी पास अमान्य कर दिए गए हैं। वाहनों को अयोध्या नहीं जाने दिया जा रहा है। अयोध्या में भीषण जनसैलाब के कारण हो रही अव्यवस्था को देखते हुए मंगलवार सुबह से ही लखनऊ अयोध्या हाईवे पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बाराबंकी से अयोध्या की ओर एक भी वाहन नहीं जाने दिया जा रहा है। हजारों लोग बाराबंकी से लेकर लखनऊ के बीच में फंस गए हैं। लखनऊ अयोध्या हाईवे पर शहर के बाहर चौपुला चौराहे पर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, एसपी दिनेश कुमार सिंह समेत कई सीईओ व थाना प्रभारी मौजूद हैं। दोपहर 1ः00 बजे के बाद अयोध्या जाने वाली बसों पर भी रोक लगा दी गई है। हजारों लोग अब तक रोके जा चुके हैं। हाईवे पर चप्पे चप्पे पर निगरानी की जा रही है और संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इस कारण बहराइच हाईवे पर दबाव बढ़ गया है और जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है। पुलिस हाईवे पर अनाउंस कर रही है कि कोई भी वाहन अयोध्या नहीं जाएगा। सभी पास भी अमान्य कर दिए गए हैं। कई पुलिस अधिकारी और लखनऊ की ओर से आए विशिष्ट लोगों को भी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए रोक दिया गया। केवल एंबुलेंस और बीमार लोगों को ही जाने दिया जा रहा है।

सम्पादकीय

अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत की आर्थिक विकास दर जा सकती है 10 प्रतिशत के पार

मुद्रा स्फीति की दर वर्ष 2013 में 10 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022 में घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है। इससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है और उनके व्यय करने की क्षमता बढ़ी है। देश में डिजिटल क्षेत्र का तो जैसे कायाकल्प ही हो गया है। किसी भी देश में आर्थिक विकास को अतुलनीय गति देने में केवल 10 वर्ष का समय बहुत कम माना जाता है। इतिहास गवाह है कि कई देशों को आर्थिक विकास की रफ्तार को गति देने में दशकों लग जाते हैं। चीन ने वर्ष 1980 का आसपास अपने देश में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए थे परंतु इनका परिणाम दशकों बाद दिखाई दिया था, लगभग यही स्थिति अन्य देशों की भी रही है। परंतु, भारत ने पिछले केवल 10 वर्षों के दौरान अर्थ के कई क्षेत्रों में पूरे विश्व को राह दिखाई है। भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा गया है क्योंकि किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने में आधारभूत ढांचे का विकसित अवस्था में होना अति आवश्यक माना जाता है। भारत में वर्ष 2013 में केवल 4,100 किलोमीटर रेल्वे लाइन का विद्युतीकरण किया जा सका था जो वर्ष 2023 में बढ़कर 28,100 किलोमीटर का हो गया है। राष्ट्रीय हाईवे भी वर्ष 2014 के 25,700 किलोमीटर से बढ़कर वर्ष 2023 में 53,700 किलोमीटर के हो गए हैं और भारत में वर्ष 2014 में केवल 74 एयरपोर्ट थे, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 148 हो गए हैं। इस प्रकार के आधारभूत ढांचे को विकसित करने से भारत में रेल्वे ट्रैक, राष्ट्रीय हाईवे सहित सड़क मार्ग एवं एयरपोर्ट की उत्पादकता बढ़ी है एवं पेट्रोल, डीजल की खपत में कमी होकर देश में पर्यावरण की स्थिति को सुधारने में भी सहायता मिली है। मुद्रा स्फीति की दर वर्ष 2013 में 10 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022 में घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है। इससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है और उनके व्यय करने की क्षमता बढ़ी है। देश में डिजिटल क्षेत्र का तो जैसे कायाकल्प ही हो गया है। वर्ष 2016 में डिजिटल व्यवहार देश के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 4.4 प्रतिशत ही हो पा रहे थे जो वर्ष 2023 में बढ़कर 76.1 प्रतिशत से भी अधिक होने लगे हैं। इसी प्रकार, देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की संख्या वर्ष 2014 में 16 से बढ़कर वर्ष 2023 में 23 हो गई है, भारतीय मेडिकल संस्थानों (आईआईएम) की संख्या वर्ष 2014 के 13 से बढ़कर वर्ष 2023 में 20 हो गई है, मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2013 में 385 से बढ़कर वर्ष 2023 में 693 हो गई है और अखिल भारतीय मेडिकल साईंस संस्थानों (ऐमस-एआईआईएमएस) की संख्या वर्ष 2014 में 7 से बढ़कर वर्ष 2023 में 25 हो गई है। कुल मिलाकर पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में महत्वपूर्ण संस्थानों को भारी संख्या में विकसित किया गया है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार वर्ष 2014 में 28,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर था जो वर्ष 2023 में दुगने से भी अधिक होकर 60,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। विदेशी निवेशकों का विश्वास भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2013 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में 2,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया था जो वर्ष 2023 में दुगने से भी अधिक होकर 4,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात को लेकर चिंता जताते हुए कहा था कि आगे आने वाले समय में भारत के लिए यह अनुपात 100 के स्तर को पार कर सकता है, यदि ऐसा होता है तो यह भारत के आर्थिक विकास को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। परंतु, भारत में निगमों का औसत ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात वर्ष 2015 के 65 प्रतिशत से कम होकर वर्ष 2023 में 50 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है और, उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2028 तक केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों का ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात भी कम होकर 80 प्रतिशत के निचले स्तर पर नीचे आ जाएगा। केंद्र सरकार पर लगातार यह आरोप लगता रहा है कि केंद्र सरकार के संस्थानों को बेचा जा रहा है। जबकि अब केंद्र सरकार के विभिन्न 25 संस्थानों ने पिछले एक वर्ष के दौरान अपने निवेशकों की पूंजी में 100 प्रतिशत से अधिक का संवर्धन किया है। विशेष रूप से आईआरएफसी ने 437 प्रतिशत, इरकोन ने 343 प्रतिशत, आरवीएनएल ने 321 प्रतिशत, कोचीन शिप्यार्ड ने 247 प्रतिशत, पीएफसी ने 250 प्रतिशत, रैलटेल ने 247 प्रतिशत, आईटीआई ने 245 प्रतिशत, हुड़को ने 245 प्रतिशत तक का संवर्धन निवेशकों के निवेश में पिछले एक वर्ष के दौरान किया है। आज न केवल विदेशी संस्थागत निवेशक और भारतीय संस्थागत निवेशक बल्कि खुदरा निवेशक भी केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों में निवेश करने पर अधिक भरोसा जता रहे हैं। और, फिर अब तो अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भी 22 जनवरी 2024 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत एवं पूज्य संत मंडल के सानिध्य में सम्पन्न की जा चुकी है। यह एक ऐसा कारण बनने जा रहा है जिसके चलते भारत की आर्थिक विकास दर 10 प्रतिशत से भी आगे निकल सकती है, जो वर्तमान में 7 प्रतिशत के आसपास चल रही है। दरअसल अयोध्या में निर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर एक राष्ट्र मंदिर के रूप में विकसित हुआ है, जिसके चलते न केवल भारत के नागरिक बल्कि अन्य देशों में सनातन संस्कृति का पालन करने वाले नागरिक भी भारी संख्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन करने हेतु अयोध्या आएंगे। इससे, भारत में धार्मिक पर्यटन नई ऊंचाईयों को छूने जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शत हेतु अयोध्या पहुंचेंगे। यह संख्या शीघ्र ही 3 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो प्रतिवर्ष 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। अयोध्या पहुंचा प्रत्येक श्रद्धालु यदि 2500 रुपए भी खर्च करता है तो केवल अयोध्या की स्थानीय अर्थव्यवस्था में 25000 करोड़ रुपए शामिल होंगे। यह श्रद्धालु अयोध्या जाते हुए वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर एवं मथुरा में बांके बिहारी मंदिर आदि में भी दर्शन हेतु अवश्य जाएंगे। इस प्रकार, वाराणसी एवं मथुरा की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त खुराक प्रत्यक्ष रूप से मिल सकती है। इस प्रत्यक्ष खुराक का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर लगभग 5 गुना चक्रीय असर भी हो सकता है जो अंततः भारत के आर्थिक विकास में ही जुड़ने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन से यातायात, होटेल, स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों जैसे क्षेत्रों में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते हैं। इससे भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। विश्व में कई देशों यथा, स्विजरलैंड, इटली, फ्रान्स, अमेरिका, युएई, आदि ने पर्यटन के बलबूते पर अतुलनीय आर्थिक विकास किया है एवं अपनी अर्थव्यवस्था को विकसित श्रेणी की अर्थव्यवस्था बना दिया है। इसी प्रकार अब अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात अब भारत भी इस श्रेणी के देशों में शामिल होने जा रहा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की दर 10 प्रतिशत के पार जा सकती है।

मायावती की मजबूरी के बीच अप्रासंगिक हो रही पार्टी, वजह वे कुछ भी बताएं

मायावती आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की वजह कुछ भी बताएं, सच यह है कि विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों और खुद अपनी पार्टी के लोगों को संशय में डालने वाली उनकी अप्रत्याशित राजनीति के चलते एक ऐतिहासिक अतीत वाली पार्टी राजनीतिक फलक पर तेजी से अप्रासंगिक होती दिख रही है। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सुप्रीमो मायावती ने हाल ही में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की है। वह इसकी वजह बेशक यह बता रही हैं कि चुनाव पूर्व गठबंधन उनकी पार्टी की संभावनाओं को कमजोर करेगा और सहयोगियों को फायदा पहुंचाएगा, लेकिन यह बात गले नहीं उतरती और उनकी मजबूरी को ही दर्शाती है। दरअसल, कभी बसपा के गढ़ माने जाने वाले उत्तर प्रदेश में न तो सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और न ही विपक्षी दलों का समूह 'इंडिया' गठबंधन अप्रत्याशित व्यवहार करने वाली बहनजी के साथ गठजोड़ करने के लिए तैयार है; जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्य में उनकी घटती लोकप्रियता से तालमेल नहीं बैठा पा रही है। कुछ दूसरे राज्यों में भी यही कहानी है, जहां बसपा की मौजूदगी तो है, लेकिन उसका प्रभाव तेजी से क्षीण हो रहा है। फिर भी, संभावित सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के लिए कड़ी सौदेबाजी जारी है। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने, जो इस वक्त लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरी तरह से मजबूत स्थिति में दिख रहा है, बसपा के साथ गठबंधन करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके बजाय, पिछले संसदीय और विधानसभा चुनावों की तरह सत्तारूढ़ दल की रणनीति तो यही है कि ज्यादा से ज्यादा दलित और मुस्लिम वोटों को अपने पक्ष में करने और विपक्ष के एकीकरण की कोशिशों को कमजोर करने में कैसे बसपा का उपयोग किया जाए। 'फूट डालो और राज करो' वाली यह रणनीति हाल के समय में काफी प्रभावी रही है, लेकिन अब दलित व मुस्लिम समुदायों में यह बात तेजी से फैल रही है कि बसपा को वोट देने से अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को फायदा हो सकता है, और यही वजह है कि अब यह रणनीति अपनी शक्ति खो रही है। दरअसल मायावती के समर्थकों के छिटकने की एक मुख्य वजह यह रही है कि अब उन्हें लगने लगा है कि वह शोषित वर्ग की नेता नहीं, बल्कि स्वेच्छा से या मजबूरी में, उत्तर प्रदेश में भाजपा की वोट मशीन की मददगार बन गई हैं। जहां तक 'इंडिया' गठबंधन का सवाल है, कांग्रेस नेतृत्व शुरू से ही बहन जी को उन सभी पार्टियों के संयुक्त मोर्चे में शामिल करना चाहता था, जो भाजपा के खेमे में नहीं थीं। हालांकि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इसका कड़ा विरोध किया था। उन्होंने दरअसल मायावती को लेकर तब से ही कड़ा रुख अपनाया हुआ है, जब 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के तुरंत बाद मायावती ने सपा के साथ बनाए गए अपने राजनीतिक गठबंधन को एकाएक तोड़ दिया था। मायावती द्वारा उठाया गया यह कदम उन्हें तब और भी व्यथित करता है, जब सपा के साथ उनके गठबंधन की वजह से 2014 की तुलना में 2019 में बसपा की सीटें शून्य से दस पर पहुंच गई, जबकि सपा की सीटें आधी होकर पांच ही रह गईं। अगर कांग्रेस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हाल के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया होता, तो वह अखिलेश को मनाने की स्थिति में होती कि वह मायावती को गठबंधन में शामिल करने पर पुनर्विचार करें। लेकिन राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा से हार के बाद कांग्रेस की सौदेबाजी की ताकत कम हो गई है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में कांग्रेस द्वारा सपा के साथ गठबंधन करने से इन्कार करने से अखिलेश पहले से ही नाराज थे। ऐसे में, स्वाभाविक ही, उन्होंने बसपा के मामले में भी अपने हाथ खींच लिए। हालांकि बसपा के बड़ी संख्या में मुस्लिम सांसदों का बहन जी पर दबाव था कि वह 'इंडिया' के साथ मिलकर चुनाव लड़ें, लेकिन बहन जी की अपनी मजबूरी थी। पहली नजर में यही लगता है कि विपक्षी गठबंधन में बसपा की अनुपस्थिति उत्तर प्रदेश में उसकी संभावनाओं को क्षीण करेगी। दूसरी तरफ, ज्यादातर मुस्लिम समर्थकों और खुद मायावती की उपजाति जाटव सहित दलितों में उन्हें लेकर जिस तरह मोहभंग की प्रवृत्ति दिख रही है, उससे यही लगता है कि उत्तर प्रदेश में बसपा कोई बड़ी राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। अगर बहन जी को विपक्षी गठबंधन में कई दलों के बीच सीटों के बंटवारे की चुनौती में उलझाया जाता, तो यह नामुमकिन नहीं, तो बेहद कठिन चुनौती जरूर होती। हालांकि मायावती का यह दावा भी ठीक नहीं है कि उनकी पार्टी गठबंधन के बजाय अकेले ज्यादा बेहतर चुनाव लड़ती है। अगर पिछले संसदीय चुनावों पर नजर डालें, तो कहानी स्पष्ट होती है, जिसमें बसपा ने सपा के साथ गठबंधन में उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 19.4 फीसदी वोट शेयर के साथ 10 सीटें हासिल की थीं, हालांकि उन्होंने कुल सीटों की आधी से भी कम पर चुनाव लड़ा था। तीन साल बाद 2022 में राज्य विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीटों पर लड़ते हुए उनकी पार्टी को केवल एक सीट मिली और उसका वोट शेयर गिरकर 13 फीसदी पर पहुंच गया। इसमें कतई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड हार के बाद मायावती और बसपा का राजनीतिक कद काफी घट गया है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी है, जिसने राष्ट्रीय लोकदल के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और भाजपा की लहर के बावजूद 111 सीटें और 32 फीसदी वोट के साथ एक विश्वसनीय टक्कर जरूर दी। विधानसभा चुनाव के नतीजे ने देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले और राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण राज्य में भाजपा खेमे के बाहर विपक्षी राजनीतिक दलों के साथ सौदेबाजी की स्थिति में बहन जी की स्थिति अखिलेश की तुलना में जाहिर है कि कमजोर की है। ऐसे में, मायावती को 'इंडिया' गठबंधन से बाहर रखने में अखिलेश की निर्णायक भूमिका रही हो, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अब इन स्थितियों को अपने पक्ष में दिखाते हुए इसे उपलब्धि की तरह पेश करना मायावती की मजबूरी थी। कुछ भी हो, उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों के गठबंधन के सामने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूप में डबल इंजन स्टीम रोलर की जो दुर्जेय चुनौती है, वह बसपा के ऐतिहासिक अतीत के बावजूद राजनीतिक फलक पर तेजी से अप्रासंगिक होती मायावती के किसी भी तरह के फैसले से कम होने वाली नहीं।

नेताजी ने न सिर्फ हिंदी सीखी, कांग्रेस और आजाद हिंद फौज में बढ़ावा भी दिया

नेताजी जानते थे कि ही समूचे भारत को जोड़ सकती है। उन्होंने हिंदी तो सीखी ही, फिर कांग्रेस और आजाद हिंद फौज में हिंदी को बढ़ावा भी दिया। हिंदी के विकास में बंगाल, विशेषकर कोलकाता का योगदान बहुत ज्यादा है। हिंदी ही भावी भारत की संपर्क भाषा होगी, यह विचार पहली बार बंगाल की धरती के ही आचार्य केशवचंद्र सेन ने 1875 में दिया था। कोलकाता की ही धरती पर 1830 में पहला हिंदी अखबार निकला। कोलकाता में 26-28 मार्च, 1929 को हिंदी साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन हुआ था। उसकी स्वागत समिति के अध्यक्ष नेताजी सुभाष चंद्र बोस ही थे, जिन्होंने हिंदी में भाषण दिया था। उन्हें पता था कि हिंदी के विकास में कोलकाता का क्या स्थान है। तब कोलकाता में करीब पांच लाख हिंदी भाषा-भाषी लोग रहते थे। तब नेताजी ने बांग्ला भाषियों से हिंदी सीखने और हिंदी के प्रति कोई आग्रह न रखने को लेकर अपील भी की थी। उन्होंने महात्मा गांधी समेत हिंदी साहित्य सम्मेलन के लोगों से भी अपील की थी कि मद्रास प्रांत की तरह वे बंगाल और असम में भी हिंदी के प्रचार का प्रबंधन करें। उन्होंने कोलकाता और बंगाल में हिंदी पढ़ाने के लिए लोगों से कहा भी था। उन्हें उम्मीद थी कि इसकी वजह से बहुत सारे बंगाली छात्र हिंदी पढ़ने के लिए तैयार हो जाएंगे। उन्होंने बंगाल के छात्रों को छात्रवृत्ति देकर हिंदी का प्रचारक बनाने का भी प्रस्ताव दिया था। नेताजी उन दिनों मजदूरों के बीच भी काम कर रहे थे। तब उन्हें समझ आया कि आम बोलचाल की भाषा के बिना बुनियादी स्तर पर सहज संपर्क स्थापित नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा जताई थी कि यदि तन-मन-धन से प्रयत्न किया गया, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत स्वाधीन होगा और उसकी राष्ट्रभाषा होगी हिंदी। नेताजी को लगता था कि अगर हिंदी को सहज संपर्क भाषा के रूप में अपना लिया गया और दिल-खोलकर लोग इसे सीखेंगे, तो आने वाले दिनों में प्रांतीय वैचारिक खाइयों को पाटने में हिंदी ही मददगार होगी। वर्ष 1938 में हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन में अध्यक्ष चुने जाने के बाद नेताजी ने हिंदी में ही भाषण देते हुए कहा था, %यदि देश में जनता के साथ राजनीति करनी है, तो उसका माध्यम हिंदी ही हो सकती है। बंगाल के बाहर मैं जनता में जाऊं, तो किस भाषा में बोलूं? इसलिए कांग्रेस का सभापति बनकर मैं हिंदी खूब अच्छी तरह न जानूं, तो काम नहीं चलेगा।% इसलिए उन्होंने हिंदी सीखने पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने लक्ष्मीनारायण तिवारी नाम के सज्जन से हिंदी सीखी। आजाद हिंद फौज में भी उन्होंने हिंदुस्तानी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया। नेताजी समझते थे कि जिस देश के पास अपनी राष्ट्रभाषा नहीं होती, वह खड़ा नहीं रह सकता। उन्होंने कहा था कि भारत की स्वाभाविक लोकभाषा हिंदी एवं उर्दू का मिश्रण होगी, जो देश के बड़े भाग में बोली भी जाती है। उन्होंने इसे लिखने के लिए देवनागरी अथवा उर्दू यानी फारसी, दोनों लिपियों को सुझाया था। यहां पर वे गांधी और विनोबा से अलग विचार रखते हैं। गांधी ने जहां हिंदी और उर्दू-दोनों के लिए देवनागरी लिपि अपनाने का सुझाव दिया, वहीं विनोबा इससे एक कदम आगे, भारत की सभी भाषाओं को नागरी लिपि अपनाने पर जोर देते रहे। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिंद फौज ने जापानी सेना के सहयोग से ब्रिटिश सेना पर हमला किया। नेताजी की अगुआई में पूर्वी भारत के कई हिस्सों पर आजाद हिंद फौज ने कब्जा कर लिया था। तब नेताजी ने फौज को प्रेरित करने के लिए हिंदी में नारा दिया था, %दिल्ली चलो।% जब आजाद हिंद फौज ने अंग्रेजों से अंडमान और निकोबार द्वीप छीन लिए, तो नेताजी ने इन द्वीपों को %शहीद द्वीप% और %स्वराज द्वीप% नाम दिया। आजाद हिंद फौज का प्रयाण गीत- कदम-कदम बढ़ाए जा/खुशी के गीत गाए जा/यह जिंदगी है कौम की, तू कौम पे लुटाए जा-आज भी भारतीय सेनाओं का प्रयाण गीत बना हुआ है, जिसे रामसिंह ठाकुर ने लिखा था। यह गीत भी हिंदी के प्रति नेताजी की सोच के बारे में बताता है। गैर हिंदीभाषी होते हुए भी हिंदी को लेकर नेताजी की सोच इस बात की द्योतक है कि हिंदी को आगे बढ़ाने में हमारे स्वाधीनता संग्राम के नायकों ने कैसा योगदान दिया।

मालदीव का ड्रैगन के जाल से निकलना आसान नहीं होगा

मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गई वे निजी बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं। घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया। भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव के लिए चीन से रिश्ते पचाना इतना आसान नहीं हैं। चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौते की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस पर मालदीव के तीन मंत्रियों की आपत्तिजनक बयानबाजी की। इन तस्वीरों पर मालदीव की मुइज्जू सरकार में मंत्री मरियम शिउना ने आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। उन्होंने मोदी को इजरायल से जोड़ते हुए निशाने पर लिया था और लक्षद्वीप का भी मज़ाक उड़ाया था। इससे भारत में रोष की लहर फैल गई। सोशल मीडिया पर देश में बॉयकॉट मालदीव शुरू हो गया है और कई लोगों ने मालदीव के लिए फ्लाइट और होटल बुकिंग कैंसिल करवा दी। आम जनता से लेकर फिल्मी हस्तियां भी भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र के सपोर्ट में उतर आई। इस बीच मालदीव के कई दिग्गज नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र और भारत का सपोर्ट किया और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की। मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गई वे निजी बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं। घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया। इसके बावजूद देश में रोष बरकरार है। मुइज्जू ने चीन के फुजियान प्रांत में मंगलवार को राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां वह चीन के सामने पर्यटक भेजने के लिए गिड़गिड़ाते नजर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मालदीव में 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा गया और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया था। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने दुष्प्रचार किया था। मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जू ने जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयू ईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। इसमें कहा गया कि पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए। ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया। ईयू ईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि इंटरनेट मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। गौरतलब है कि भारत का प्रयास रहा है कि सभी पड़ौसी देशों से बराबरी के द्विपक्षीय रिश्ते कायम रहे। भारत ने कभी भी पड़ौसी छोटे मुल्कों के साथ छलकपट नहीं किया। यही वजह रही कि भारत ने नेपाल और बांग्लादेश के साथ सीमा संबंधी विवादों को द्विपक्षीय सहयोग से हल करने का प्रयास किया। भारत ने उदारता दिखाते हुए बांग्लादेश को कई हिस्से वापस तक कर दिए। यहां तक की गृहयुद्ध से जूझ रहे बर्मा में भी भारत ने कभी निजी हितों के मद्देनजर हस्तक्षेप करके अनुचित फायदा लेने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत चीन छलकपट की नीति अपनाता रहा है। इसका नया प्रमाण भूटान के राजशाही परिवार के अधीन आने वाली सीमावर्ती भूमि पर चीन का अतिक्रमण है। मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। इसमें एक बड़ा हिस्सा भारत के पर्यटकों का है। वर्ष 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा की थी जिनमें 2.09 लाख से अधिक भारतीय थे। इसके पहले 2022 में भारतीय सैलानियों की संख्या 2.4 लाख से अधिक थी। राजनीतिक संकट हो, आर्थिक मदद हो या फिर कोई आपदा हो जब-जब मालदीव को मदद की जरूरत थी, तब-तब भारत उसके साथ खड़ा नजर आया। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी का संकट पूरी दुनिया पर छाया हुआ था, तब भी भारत सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम वहां भेजी और टीकाकरण अभियान भी चलाया। भारत ने कभी भी जोर-जबरदस्ती से सेना को मालदीव में नहीं भेजा। फरवरी 2021 में, भारत ने मालदीव के साथ उथुरू थिला फाल्हू द्वीप पर राष्ट्रीय रक्षा बल तटरक्षक बंदरगाह को विकसित करने के लिए विकास सौदे पर साइन किए थे। इस सौदे के जरिए समुद्र क्षेत्र की बेहतर निगरानी में मदद मिली थी। इसके बाद भारत आएगा।

किसानों को बैंक अधिकारी घुमाये नहीः प्रेरणा शर्मा

जिलाधिकारी ने निस्तरित करने के दिए निर्देश

द अचीवर टाइम्स। चेतन कुमार

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने किसान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकताओं में प्राथमिक रूप से निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की विद्युत, सिंचाई, आवारा पशु, सफाई, भूमि पैमाइश, यूरिया वितरण एवं नैनो यूरिया, सड़क, योजनाओं का लाभ तथा अन्य संबंधित शिकायतोंको निर्धारित अवधि में समाधान करे जिन किसानों ने दुकानों द्वारा बाध्य रूप से नैनो यूरिया को खरीदने की शिकायत पर कृषि अधिकारी से कहा कि नैनो यूरिया प्रयोग मृदा उर्वरता तथा यूरिया की प्रभाविता के रूप में अच्छा है परंतु किसी भी दुकानदार द्वारा खरीदने की बाध्यता नहीं है जिस पर जिलाधिकारी ने कृषि अधिकारी से सभी दुकानों को स्पष्ट निर्देश जारी करने को कहा और किसानो ने पटवारी द्वारा जमीनों के गलत पैमाइश पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी से टीम बनाकर पैमाइश करने के निर्देश दिए साथ ही पैमाइश की सूचना संबंधित किसानों को भी देने को कहा और धौलाना में कृषि भूमि के ऊपर से विद्युत तार के गुजरने की बार-बार शिकायत पर भी विद्युत अधिकारी द्वारा तार नहीं बदलने पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि एक नियत या संभावित तिथि तय करके विद्युत तारों से संबंधित समस्या का निदान कराया जाना सुनिश्चित करें। किसानो ने बैंक अधिकारी द्वारा किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने में अनावश्यक रूप से विलंब की शिकायत पर जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि किसानों को बैंक अधिकारी घुमाये नहीं तथा बैंक अधिकारी किसानों के लिए है ना कि किसान बैंक के लिए है। अतः उनकी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करायें व किसानों के गन्ने का भुगतान लगभग कर दिया गया है हमारी कोशिश रहेगी कि नया गन्ना भुगतान भी समय से कर दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, कृषि अधिकारी, किसानगण तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर कल्याणी नदी में गिरा कंटेनर ट्रक, मौके पर पहुंचे एसडीएम व सीओ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता रामसनेहीघाट बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र में देर शाम कल्याणी नदी में गिरा कंटेनर मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी एवं सीओ समेत भारी संख्या में पुलिस बल में ड्राइवर को नदी से निकाला बाहर है। जानकारी के अनुसार रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के बुढ़वा बाबा पुल पर टिकैतनगर से हैदरगढ़ जा रही एक कंटेनर ट्रक अनियंत्रित होकर कल्याणी नदी में गिर गई। मौजूद लोगो ने तुरंत स्थानीय कोतवाली के साथ अधिकारियो को सूचना दिया। मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी राम आसरे वर्मा, सीओ जटाशंकर मिश्रा, कोतवाल ओमप्रकाश तिवारी समेत भारी संख्या में पुलिस ने कंटेनर ट्रक के ड्राइवर को कल्याणी नदी से बाहर रमेश पुत्र रामू को निकालकर इलाज के लिए सीएच सी बनीकोडर भेजा जहां डाक्टरों द्वारा गंभीर घायल ड्राइवर का इलाज किया जा रहा।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अमर रहे,भारत माता की जय हो,वन्दे मातरम् के नारों का उद्घोष से गूंज उठा हापुड़ शहर

❖ राष्टीय सैनिक संस्था इकाई के तत्वावधान में निकली हापुड़ शहर में जय हिंद तिरंगा यात्रा

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

हापुड़। राष्टीय सैनिक संस्था इकाई के तत्वावधान में ऐतिहासिक जय हिंद तिरंगा यात्रा का शुभारंभ विधिवत तरीके से भगवती गंज से झंडी दिखाकर राष्टीय सैनिक संस्था के राष्टीय अध्यक्ष कर्नल टी पी त्यागी (वीर चक्र), राष्टीय संयोजक शिक्षा विंग मेजर सुशील गोयल, डॉ वी बी दिवेदी उप कृषि निदेशक एवं मनोज कुमार जिला कृषि अधिकारी ने संयुक्त रूप से रवाना किया। तिरंगा यात्रा भगवती गंज से पक्का बाग चैराहा, अतरपुरा चौराहा, तहसील चौराहा, फ्री गंज रोड एवं रेलवे रोड से होकर हापुड़ नगर पालिका स्थित शहीद स्थल पर सफलतापूर्वक समापन किया गया। तिरंगा यात्रा का मुख्य आकर्षण हाल ही में उत्तराखंड सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को अपने कौशल से पहाड़ में छिद्र कर बाहर निकालने वाले पाताल वीर (रेट माइनर्स), बालक सुभाष चन्द्र बोस के सांस्कृतिक कार्यक्रम करने वाले बच्चे, मातृशक्ति, प्रबुद्धजन एवं समसे अलौकिक हवन यज्ञ मंत्रोचारण के साथ शहर के पर्यावरण को शुद्ध किया गया। इस भव्य तिरंगा यात्रा में कई सहयोगी संस्थाओं में रास्ट्रीय सैनिक संस्था गाजियाबाद इकाई से जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में 30 पदाधिकारियों का दल शामिल हुए तथा अन्य सहयोगी संस्थाएं भाकियू, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, गायत्री परिवार, जनसंख्या समाधान फॉउंडेशन, सेवा भारती नवकुंज, रास्ट्रीय किसान मजदूर संगठन तिरंगा यात्रा में राष्टीय सैनिक संस्था की पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्षा सुमन त्यागी के नेतृत्व में ज्ञानेंद्र त्यागी अध्यक्ष जनपद हापुड इकाई, मुकेश त्यागी उपाध्यक्ष, मुकेश प्रजापति जिला सचिव, गुलशन त्यागी अनुशासन सचिव, श्याम वर्मा सूचना मंत्री, राजकुमार शर्मा कोषाध्यक्ष, ताराचंद जाटव, सतवीर प्रधान, राजकुमार, ऋषिपाल एवं महिला बिग्रेड में डॉ सरगम अग्रवाल, मोनिका, दीपिका, प्राची खुल्लर, मुनेश त्यागी संगीता चौधरी, पूनम उपाध्याय, रुचि गोयल एवं बाल वीर सम्मलित रहे। संस्था ने रेट माइनर्स मोनू कुमार, देवेंद्र कुमार, अंकुर कुमार, सौरभ कश्यप, जतिन कश्यप एवं नसरुद्दीन को शॉल उढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संस्था के राष्टीय अध्यक्ष कर्नल टी पी त्यागी एवं मेजर सुशील गोयल राष्टीय संयोजक शिक्षा विंग ने हापुड इकाई को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

एक नज़र

हरियाणा में सम्मानित हुए भाकियू युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य सिंह सहारा

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

हापुड़। निवासी भाकियू टिकैत के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य सिंह सहारा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर बड़े काफिले के साथ हरियाणा के दयालपुर पहुंचकर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। तो वही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य ने कहा कि भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने में उनका बहुत बड़ा योगदान था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने %तुम मुझे खून दो-मैं तुम्हें आजादी दूंगा%, %जय हिंद-जय भारत% और %दिल्ली चलो% जैसे नारों से देश के युवाओं में देशभक्ति की लौ जगाई थी। इस दौरान भाकियू टिकैत के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष एकलव्य सिंह सहारा को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती हरियाणा में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।तो वही एकलव्य सिंह साहरा ने सभी सम्मानित कार्यक्रम आयोजकों को धन्यवाद दिया। इस दौरान सुशील शर्मा (आईजी, पंजाब), बबलू हूड़ा, परदीप चौधरी, सुमित राजपूत, विशाल कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या में उमड़ रही लाखो की भीड़ प्रशासन अलर्ट

द अचीवर टाइम्स। शशांक बाजपेई

बाराबंकी अयोध्या। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब राम भक्तों का उत्साह बढ़ने लगा है भीड़ कहीं ज्यादा बढ़ रही है तो वहीं दूसरी ओर बाराबंकी चौपुला तिराहे पर बैरिकेडिंग लगा करके अयोध्या जाने वाले वाहनों को रोका जा रहा है और अयोध्या ना जाने की अपील भी की जा रही है। जिनके पास वीआईपी पास उपलब्ध है। वही अयोध्या की ओर जा सकेंगे अन्य वाहन परिवर्तित मार्ग से ही अपने गंतव्य को प्रस्थान कर पाएंगे अयोध्या में बढ़ते भीड़ को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है। कि लोग अयोध्या जाने को लालायित है। लाखो की संख्या में भीड़ उमड़ रही है। पुलिस प्रशासन सतर्क है सजग है वही जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार व एसपी दिनेश कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया व अयोध्या ना जाने की अपील भी की।

ब्लैक डे लिखकर स्टेटस लगाने वाला गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

इटौंजा लखनऊ। 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा के दिन इटौंजा ग्राम पालपुर के निवासी सलमान शेख ने अपने बाबरी मस्जिद की फोटो लगाकर ब्लैक डे लिखा था। जिसे ग्रामीणों ने मोबाइल फेसबुक स्टेटस देख कर झुझूली सवार हो गई और अन्य लोगों को जानकारी दी। हिंदू संगठन के कार्यकर्ता एवं इटौंजा नागरिकों ने थाने पर लिखित शिकायत देकर कड़ी कार्यवाहीं की मांग की मामले को संज्ञान में लेकर इटौंजा थाना प्रभारी ने तत्काल कार्रवाई की। प्रभु श्री रामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा के दिन ही विरोध में बाबरी मस्जिद की फोटो पर 22 जनवरी ब्लैक डे लिखकर फेसबुक पर पोस्ट कर और स्टेटस भी लगाया था। इसके विरोध में प्रदर्शन कर विमल पवार, अंकुर गुप्ता,विश्व पांडेय ,संजय सिंह, चन्दीका सिंह ,राजू कश्यप, अनुभव मिश्र सहित सैकड़ो लोगों ने थाना इटौंजा में उपस्थित होकर शिकायत की और स्टेटस लगाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। वही इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कंडण्य यादव ने बताया कि सलमान शेख व अफजल के विरुद्ध संगीन धाराओं 295 (ए) 504(अ) व आईटी एक्ट मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की गई है।

23 दिन से बैठे धरने पर नहीं हुई कोई कार्रवाई, फिर से धरना प्रदर्शन करने का ऐलान

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

इटौंजा लखनऊ। ग्राम पंचायत सुल्तानपुर, बहादुरपुर, राजापुर गांव में 2002 मे आवंटित किए गए 104 किसानों की पत्रावली से नाम गायब कर देने की सूचना पर किसानों में हड़कंप मच गया। जिसे दीपक शुक्ला उर्फ तिरंगा महाराज के नेतृत्व में एनएच 24 सीतापुर रोड हाईवे इटौंजा ओवर ब्रिज के पास किसनो की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए थे। 1 जनवरी 2024 को उप जिलाधिकारी बीकेटी के द्वारा धरना प्रदर्शन इस आश्वासन के साथ समाप्त कराया गया था कि एक हफ्ते में किसानों की समस्याओं पर ठोस कार्रवाई होगी पर लगभग 23 दिन बीत गए हैं अभी तक प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा किसानों की समस्याओं पर कोई भी रुचि नहीं ली जा रही है। जिसको लेकर लगातार किसानों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है। दीपक शुक्ला उर्फ तिरंगा महाराज ने एक जानकारी में बताया है कि बुधवार को किसान भाइयों के साथ बक्शी का तालाब तहसील में उप जिलाधिकारी से मुलाकात हेतु निकल रहे हैं और अगर समस्याओं के समाधान पर निर्णय नहीं लिया गया तो फिर हम सब बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जी की धूम धाम से मनाई गई जयंती

द अचीवर टाइम्स। अनुज कुमार

अतरौली। हरदोई के विकास खण्ड भरावन के ग्राम टांडखेड़ा में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई गई मां भारती के वीर सपूत महान देशभक्त भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी कि जयंती पर कोटि कोटि नमन 23 जनवरी 1897-18 अगस्त 1945 में देश की रक्षा करने में नेताजी सुभाषचंद्र बोस का पूर्ण योगदान रहा है नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी ने एक नारा बनाया था। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा देने वाले भारत मां के सच्चे सपूत नेता जी को सत सत नमन गांव के लोगो ने रैली निकालकर भारत माता की जय वंदे मातरम् के नारे लगाए और गांव के बच्चो तथा महिलाएं भी सामिल रही और भारत के शहीदों के बारे में बताया तथा जागरूकता फैलाई। जिसमे मास्टर रामकिशोर, अरुण, अनूप, मुन्नीलाल, राजू, प्रदीप मिश्रा, चंद्रप्रकाश, विनय, पुनीत, देवेंद्र, राजकुमार, दीपू, समस्त ग्रामवाशी तथा बच्चे उपस्थित रहे।

पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर द्वारा कटनी के कई थानों का किया भ्रमण

द अचीवर टाइम्स। पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश कटनी। तुषारकांत विधार्थी पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर रेंज द्वारा थाना स्लीमनाबाद, थाना कोतवाली एवं थाना माधवनगर का औचक निरीक्षण/भ्रमण किया।

थाना स्लीमनाबाद निरीक्षण/भ्रमण दौरान स्लीमनाबाद एसडीओपी अखिलेश गौर स्लीमनाबाद, थाना प्रभारी अखलेश दाहिया एवं थाना का स्टाफ उपस्थित रहा। इसी प्रकार थाना कोतवाली एवं थाना माधवनगर के निरीक्षण/भ्रमण दौरान कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन मनोज केडिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ख्याति मिश्रा नगर पुलिस अधीक्षक, कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा, माधवनगर थाना प्रभारी मनोज गुप्ता थाना प्रभारी माधवनगर, अभिषेक चौबे थाना प्रभारी कुठला, उप निरीक्षक नीरज दुबे थाना प्रभारी एनकेजे, उप निरीक्षक नवीन नामदेव थाना प्रभारी रंगनाथनगर एवं पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा थाना भवन, आवास भवन एवं थाने के अपराध रजिस्टर , व्ही सी एन बी, एम एल सी रजिस्टर, शिकायत आदि का निरीक्षण किया गया एवं पुलिस स्टाफ से हो रही समस्याओं की जानकारी ली एवं पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा कानून व्यवस्था एवं रिकार्ड संधारण के सबंध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

सांस्कृतिक केंद्रों द्वारा भक्तिमय गीत संगीत और नृत्य के कार्यक्रम से प्रभु श्रीराम की आराधना की जा रही

अयोध्या। तुलसी उद्यान÷ अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की अवसर पर रामोत्सव की धूम मची हुई है। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और समस्त क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों द्वारा भक्तिमय गीत संगीत और नृत्य के कार्यक्रम से प्रभु श्रीराम की आराधना की जा रही है। 20 जनवरी को सायंकाल पहली प्रस्तुति में अयोध्या के कलाकार प्रमोद कुमार सिंह और दल से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अवधी भाषा के भजनों पर दर्शक उठकर स्टेज के सामने ही मगन होकर नृत्य करने लगे। दूसरी प्रस्तुति सिक्किम के लोक कलाकारों के दल ने की,कलाकारों के सधे नृत्य और उनकी मुस्कान ने पूरे वातावरण को राममय कर दिया। इसके बाद जब गुजरात के कलाकार मंच पर आए और गुजराती लोकधुन पर तलवारबाजी के हैरतअंगेज कारनामे के साथ नृत्य किया तो तालियों से पूरा पांडाल गूंज गया।

इलैक्ट्रोनिक स्क्रैप के बंटवारे को लेकर कद गई थी सरफराज की हत्या

हत्या में शामिल दो हत्यारे आरोपीयी गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स। संवाददाता

हापुड़। जनपदीय स्वाट व थाना गढ़मुक्तेश्वर की संयुक्त पुलिस टीम ने ब्लाइंड मर्डर की घटना का सफल अनावरण करते हुए पुलिस मुठभेड़ में हत्या की घटना में संलिप्त मुख्य हत्यारोपी घायलावस्था सहित 2 शातिर हत्या आरोपी को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से घटना में 40 बोरे इलेक्ट्रनिक स्क्रैप (कीमत करीब 30 लाख रुपये) व आलाकत्ल पिस्टल तथा घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी बरामद हुआ है तो वहीं पुलिस लाइन मेरठ रोड पर प्रेस वार्ता करते हुए गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्राधिकार आशुतोष शिवम ने बता कि 7 जनवरी 2024 को गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के ग्राम बदरखा नहर के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था शव की पहचान सरफराज निवासी जनपद अमरोहा के रूप में हुई थी और थाना गढ़मुक्तेश्वर पर मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा घटना के सफल अनावरण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम का गठन किया था। जहां जनपदीय प्रभारी निरीक्षक नजीर अली खान स्वाट टीम व थाना गढ़मुक्तेश्वर प्रभारी निरीक्षक महेंद्र सिंह की पुलिस टीम द्वारा उक्त घटना का सफल अनावरण करते हुए सर्विस लाइंस व सीसीटीवी की मदद से शाहपुर नहर पुलिया के पास से पुलिस मुठभेड़ के दौरान रिहान पुत्र मोहम्मद बशीर निवासी मोहल्ला गढ़ी कस्बा व थाना हसनपुर को घायल अवस्था के साथ सादिक पुत्र अनीश निवासी ग्राम गंगवार थाना रेहरा जनपद अमरोहा दोनों हाल निवासी सीलमपुर थाना कृष्णा नगर दिल्ली को गिरफ्तार किया है जहां पुलिस पूछताछ में दोनों हत्यारोपी साथियों ने बताया कि मृतक शरफराज ने इलैक्ट्रोनिक स्क्रैप को लुटवाने की योजना अपने उपरोक्त गिरफ्तार साथी रिहान व सादिक के साथ मिलकर बनायी थी,परन्तु दोनों हत्यारोपी साथियों द्वारा शरफराज के साथ बटवारे को लेकर हुए विवाद में गिरफ्तार दोनों साथियों ने शरफराज की गोली मारकर हत्या कर शव के हाथ पैर बांधकर नहर के किनारे डाल दिया था।

सीईओ ने कहा विकास कार्यों में लाएं तेजी लापरवाही पर नहीं बक्शा जायेगा

द अचीवर टाइम्स। पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश कटनी। जनपद पंचायत बहोरीबंद जनपद सीईओ अभिषेक कुमार झा ने ग्राम पंचायत कुआं के पंचायत भवन में ली समीक्षा सेक्टर बैठक-बैठक के दौरान आयुष्मान कार्ड, ई केवाईसी, मनरेगा एबीपीएस, प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना पर प्रगति लाने, पेंशनधारियों की ई केवाईसी करवाने, एवं अन्य शासन की जनकल्याणकारी योजना को लोगों को अवगत करते हुए लाभान्वित करना एवं पुराने अपूर्ण आवासों को पूर्ण करवाने व अन्य शासन की योजनाओं पर विचार विमर्श करते हुए सभी सेक्टर के उपस्थित सरपंच सचिव एवं सहायक सचिवों से चर्चाएं करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर जनपद एपीओ, सहायक यंत्री, आवास प्रभारी, उपमंत्री, कुआं सरपंच सचिव, राखी सरपंच सचिव, जुजावल सरपंच सचिव, सिमरापटी सरपंच सचिव, तिहारी सरपंच सचिव, नीमखेड़ा सरपंच सचिव, बड़खेरा सरपंच सचिव, मोहनिया सरपंच सचिव, किरहाई पिपरिया सरपंच सचिव, एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

गणेश प्रसाद साहा द्वारा थाना खमरिया का औचक निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स। रमेश चंद्र

खीरी। आज दिन मंगलवार को पुलिस अधीक्षक खीरी, गणेश प्रसाद साहा द्वारा थाना खमरिया का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, मेस, बैरक, कम्प्यूटर कक्ष आदि का निरीक्षण कर रजिस्टर्स/अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव तथा उन्हें अद्यावधिक रखने हेतु निर्देशित किया गया। महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही कर उनका विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया तथा जनसुनवाई से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र के निस्तारण की समीक्षा की गई। लंबित विवेचनओं का गुण दोष के आधार पर समयबद्ध विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए। इसी के साथ महिला हेल्प डेस्क की समीक्षा करते हुए महिला पुलिस कर्मियों को फरियादियों से अच्छे व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर अपेक्षित कार्यवाही अमल में लाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त अपराध की रोकथाम व अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही के दृष्टिगत नियमित रूप से प्रभावी गश्त करने के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक निमित्त मात्र हुं की प्रति भेंट

द अचीवर टाइम्स। संवाददाता

लखनऊ। पूर्व कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने नेतृत्व एक शिष्टमंडल ने चिकित्सा और समाज सेवा के क्षेत्र की विख्यात अंतराष्ट्रीय हस्ती समाजसेवी डॉ.शिवेंद्र द्विवेदी से शिष्टाचार भेंटवार्ता की। इस अवसर पर प्रो सिंह ने राज्यपाल श्री कलराज मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक निमित्त मात्र हुं की प्रति डॉ.शिवेंद्र द्विवेदी को भेंट की। डॉ.शिवेंद्र द्विवेदी ने मानव सेवा को समर्पित फाउंडेशन द्वारा अंतराष्ट्रीय स्तर पर संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पो की जानकारी प्रदान की। डॉ.द्विवेदी और उनके फाउंडेशन द्वारा संचालित विभिन्न लाभदायक गतिविधियों से मानव समुदाय निरंतर लाभान्वित हो रहा है और इनकी सेंवाए उल्लेखनीय रही हैं।गौरतलब है की गरीबी से मुक्ति हेतु फाउंडेशन ने डॉ. के निर्देशन में गरीबी के चक्र को तोड़ने में मदद करने के लिए भारत में वंचित समुदायों के साथ व्यापक स्तर पर काम किया है। प्रोफेसर द्विवेदी उत्तर प्रदेश राज्य के बरहिया, आज़मगढ़ गाँव से थे। चिकित्सा, शिक्षा सहित अन्य सेवा प्रकल्पों के माध्यम से उन्होंने गरीबों के उत्थान हेतु सराहनीय कार्य किए हैं। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के व्यक्तित्व में प्रकाश डालते हुए प्रोफेसर अमेरिका सिंह ने कहा कि राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के शालीनता के साथ सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले कलराज मिश्र एक कर्मठ व्यक्तित्व हैं। श्री मिश्र राजनीति के मर्मज्ञ हैं। उनकी यह जीवनी एक अनमोल दस्तावेज है। राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र पर प्रकाशित शोधात्मक एवं सचित्र जीवनी यह एक शानदार कृति है। यह प्रकाशन हमारी पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी के बीच बौद्धिक एवं सांस्कृतिक वैचारिक आदान-प्रदान में एक सेतु का कार्य करेगा। यह एक संग्रहणीय, शोधपरक ग्रन्थ है जो कलराजजी की समाज व देश के प्रति समर्पण भाव को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करता है। ऐसे ग्रन्थ नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बने रहेंगे। श्री कलराज मिश्रजी पर लिखी गई यह किताब बहुत श्रेष्ठ और आकर्षक है। उनके कार्य, सफलताएं और राजनीतिक जीवन सभी कुछ गागर में सागर की तरह समेटा गया है। इस पुस्तक में जिन तथ्यों को प्रस्तुत किया है वह श्री कलराज मिश्र जी के आदर्श, उनकी विचारधारा और प्रतिबद्धताओं से पाठकों का साक्षात्कार करवाते हैं। यह एक संग्रहणीय, शोधपरक ग्रन्थ है जो कलराजजी की समाज व देश के प्रति समर्पण भाव को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करता है।विश्वविद्यालयों को अकादमिक रूप से समृद्ध और अनुशासित बनाने की दिशा में आपकी सक्रियता को अनुभव किया जा सकता है। विख्यात अंतराष्ट्रीय चिकत्सक और समाजसेवी डॉ. शिवेंद्र द्विवेदी ने कहा की बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी श्री कलराज मिश्र, मृदुभाषी और मानव सेवा के पर्याय हैं। उनकी जीवनी एक अनमोल दस्तावेज है। साथ ही अत्यन्त रोचक भी है। इस पुस्तक में गहन अध्ययन के आधार पर श्री कलराज मिश्र की देश को दी गई बहुमूल्य सेवाओं पर बड़ी ही रोचक शैली में प्रकाश डाला है। राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र पर प्रकाशित शोधात्मक एवं सचित्र जीवनी एक शानदार कृति है। पुस्तक की प्रस्तुतीकरण शैली, प्रकाशन की सामग्री और समग्र गुणवत्ता अत्यंत उच्च स्तर की है। अध्ययन काल से लेकर अब तक वे सच्चे एवं सचेत समाजसेवी की भूमिका में रहे हैं। ऐसे ग्रन्थ नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बने रहेंगे। श्री कलराज मिश्रजी पर लिखी गई यह किताब बहुत श्रेष्ठ और आकर्षक है। भारत को विश्वगुरु के पद पर पुनः प्रतिष्ठित होते देखने की आकांक्षा आपके व्यक्तित्व को विरल बनाती है।

दुर्लभ बीमारी से लकवा की चपेट में आई महिला को अपोलो अस्पताल में मिली संजीवनी

डॉक्टरों ने समय रहते बीमारी की पहचान कर महिला को रोग से पहले वाला जीवन वापस लौटाया

❖ 39 वर्षीय महिला मरीज में गंभीर पॉलीमायोसिटिस नामक बीमारी पहचानी, एक दुर्लभ ऑटोइम्यून विकार

संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली का इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल एक 39 वर्षीय महिला मरीज के लिए संजीवनी बना। अस्पताल के डॉक्टरों ने महिला मरीज को एक ऐसी दुर्लभ बीमारी से बचाया है जिसकी वजह से वह कुछ ही समय में लकवा ग्रस्त हो गई थी। चिकित्सा जांच में डॉक्टरों ने इस बीमारी को एक दुर्लभ ऑटोइम्यून विकार बताया जो सबसे तेजी से मरीज को अक्षम बनाता है। बहरहाल, उपचार के बाद महिला रोगी वापस से चलने फिरने में सक्षम हैं। जानकारी के अनुसार, दिल्ली की 39 साल की महिला मरीज को दिसंबर 2022 में अपने पैरों में कमजोरी महसूस हुई। देखते ही देखते फरवरी 2023 यानी करीब तीन महीने में ही उन्हें खड़े होने में कठिनाई होने लगी। हाथ उठना भी बंद हो गए और ठोस भोजन कर पाना भी उनके लिए संभव नहीं रहा। वह पूरी तरह से बिस्तर पर आ चुकी थीं और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। तेजी से इनका वजन कम होने लगा और मांसपेशियों में गिरावट आने लगी। इसके बाद नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. पी.एन. रेनजेन की देखरेख में मरीज को भर्ती किया गया। यहां रक्त परीक्षण, एंटीबॉडी परीक्षण, एमआरआई स्कैन, तंत्रिका चालन अध्ययन और मांसपेशियों की बायोप्सी सहित तमाम जांच के बाद डॉक्टरों ने पॉलीमायोसिटिस नामक बीमारी की पहचान की जो धीरे-धीरे मांसपेशियों के ऊतकों पर हमला करती है। डॉ. पी.एन. रेनजेन ने बताया, ÷सभी चिकित्सा जांच में मांसपेशियों में सूजन साफतौर पर पता चल रही थी। तंत्रिका संबंधी समस्याओं से इनकार करने वाले विद्युत अध्ययन और मांसपेशियों की बायोप्सी ने और स्पष्ट कर दिया कि सूजन पॉलीमायोसिटिस बीमारी के कारण हैं। यह पॉलीमायोसिटिस सबसे तेजी से अक्षम करने वाले ऑटोइम्यून विकारों में से एक है। अगर हम इस रोगी की बात करें तो उसकी खुद की प्रतिरक्षा प्रणाली ही उसकी मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा रही थी। केवल तीन महीनों के भीतर, खड़ा होना, हाथ उठना, ठोस भोजन निगलना या यहां तक कि ठीक से सांस लेना सब कार्य बंद हो गए। यहां आने के बाद हमने टारगेटेड इम्युनो मोड्यूलेशन शुरू किया। डॉ. रेनजेन ने बताया कि अस्पताल के अलग अलग विभाग की एक संयुक्त टीम ने मिलकर महिला मरीज को बीमारी से पहले जैसा जीवन वापस लौटाया है। जटिलता के बावजूद, हमारी नैदानिक विशेषज्ञता और त्वरित कार्यवाही ने इस मरीज को जीवन जीने का दूसरा मौका दिया है। दरअसल इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में अपनाए जाने वाला नवोन्वेषी उपचार प्रोटोकॉल भारत और विश्व स्तर पर इस दुर्लभ विकार से पीड़ित कई रोगियों के लिए नई आशा प्रदान कर रहा है। जैसा कि डॉक्टर पुष्टि करते हैं, पॉलीमायोसिटिस को हराने के लिए जबरदस्त चिकित्सा देखभाल, विशेषज्ञता और देखभाल की आवश्यकता होती है। यह संसाधन अपोलो के पास काफी बेहतर हैं।

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के बारे में

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स भारत का पहला जेसीआई मान्यता प्राप्त अस्पताल है जो दिल्ली सरकार और अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम है। जुलाई 1996 में स्थापित यह अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप द्वारा स्थापित तीसरा सुपर-स्पेशियलिटी तृतीयक देखभाल अस्पताल है जो करीब 15 एकड़ में फैला है और इसमें 300 से अधिक विशेषज्ञों के साथ साथ 700 से अधिक ऑपरेशनल बेड, 19 ऑपरेशन थिएटर, 138 आईसीयू बेड, 24 घंटे फार्मेसी, एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं, 24-घंटे आपातकालीन सेवाएं और एक सक्रिय एयर एम्बुलेंस सेवा के साथ 57 विशिष्टताएं शामिल हैं। अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली का किडनी और लीवर ट्रांसप्लांट में देश में अग्रणी कार्यक्रम है। भारत में पहला सफल बाल चिकित्सा और वयस्क यकृत प्रत्यारोपण इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में किया गया था। अस्पताल चिकित्सा प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता में सबसे आगे है। यह अपने रोगियों की देखभाल के लिए नवीनतम नैदानिक, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सुविधाओं की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है। अस्पताल ने 64 स्लाइस सीटी और 3 टेस्ला एमआरआई, नोवालिस टीएक्स और एकीकृत पीईटी सूट की शुरुआत के साथ भारत में सबसे परिष्कृत इमेजिंग तकनीक पेश की है। इंद्रप्रस्थ अपोलो ने निवारक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रमों की अवधारणा को भी आगे बढ़ाया है और दशकों से एक संतुष्ट ग्राहक आधार तैयार किया है। पिछले कुछ वर्षों से द वीक सर्वेक्षण में अस्पताल को लगातार भारत के सर्वश्रेष्ठ 10 अस्पतालों में स्थान दिया गया है।

हाईवे के चप्पे चप्पे पर निगरानी संदिग्ध वाहनों की जा रही तलाशी

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

बाराबंकी। अयोध्या में भीषण जनसैलाब के कारण हो रही अव्यवस्था को देखते हुए मंगलवार सुबह से ही लखनऊ अयोध्या हाईवे पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बाराबंकी से अयोध्या की ओर एक भी वाहन नहीं जाने दिया जा रहा है। हजारों लोग बाराबंकी से लेकर लखनऊ के बीच में फंस गए हैं।लखनऊ अयोध्या हाईवे पर शहर के बाहर चौपुला चौराहे पर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, एसपी दिनेश कुमार सिंह समेत कई सीईओ व थाना प्रभारी मौजूद हैं। दोपहर 1ः00 बजे के बाद अयोध्या जाने वाली बसों पर भी रोक लगा दी गई है। हजारों लोग अब तक रोके जा चुके हैं। हाईवे पर चप्पे चप्पे पर निगरानी की जा रही है और संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इस कारण बहराइच हाईवे पर दबाव बढ़ गया है और जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है।पुलिस हाईवे पर अनाउंस कर रही है कि कोई भी वाहन अयोध्या नहीं जाएगा। सभी पास भी अमान्य कर दिए गए हैं। कई पुलिस अधिकारी और लखनऊ की ओर से आए विशिष्ट लोगों को भी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए रोक दिया गया। केवल एंबुलेंस और बीमार लोगों को ही जाने दिया जा रहा है।

एक नज़र

चित्रगुप्त धाम में सपरिवार विराजे भगवान चित्रगुप्त

मंत्री ने रंजीत बहादुर को पहनाया भगवा

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

बाराबंकी। धनोखर चक्रर्तीथ के निकट चित्रगुप्त धाम में मंगलवार को भगवान चित्रगुप्त परिवार की प्रतिमाओं की विधि विधान पूर्वक प्राण-प्रतिष्ठा की गई।इस अवसर पर नगर में धूमधाम से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। धनोखर चकराती पर चित्रगुप्त भगवान जी की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद दर्शन करने पहुंचे राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने धनोखर चक्र तीर्थ के पिता ईश्वर रंजीत बहादुर श्रीवास्तव को पहनाया भगवा वस्त्र किए भगवान चित्रगुप्त के दर्शन इस दौरान मौजूद रहे भाजपा नेता रामकिशोर शुक्ला एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कायस्थ समाज के नेता पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रंजीत बहादुर ने कहा कि नगर की जनता का सपना पूरा हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद उन्होनें मंदिर समाज को समर्पित किया, और बताया कि इस मंदिर में समाज या अन्य समाज का कोई हिन्दू व्यक्ति अपने परिवार में होने वाले कार्यक्रम व संस्कार आयोजित कर सकता है। इसको बनने में मेरे योगदान के साथ-साथ कायस्थ समाज के साथ ही अन्य समाज के नागरिकों का योगदान का शामिल है।

शिवसेना के संस्थापक स्व.बाला साहब ठाकरे की मनी जयन्ती

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

बाराबंकी। शिवसेना यूबीटी के जिला प्रमुख मनोज विद्रोही के नेतृत्व में आज शिवसेना सुप्रीमो स्व बाला साहेब ठाकरे की 98 वी जयंती के अवसर पर सोमैया नगर जिला कार्यालय पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया और स्व ठाकरे ठाकरे व्यतित्व पर चर्चा की गई।इस अवसर पर शिवसेना यूबीटी जिला प्रमुख मनोज विद्रोही ने अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण बाला साहेब ठाकरे का धर्म संकल्प था जो आज न्यायालय के आदेश पर हिंदू समाज के सहयोग से पूर्ण हो गया है जिससे सभी शिवसैनिक गदगद है बाला साहेब ठाकरे सभी धर्मो का सम्मान करते थे महाराष्ट्र में पहली शिवसेना भाजपा सरकार बनने पर श्री ठाकरे ने शिवसेना के संस्थापक सदस्य साबिर शेख को सरकार में श्रम एवं कारागार मंत्री बनवा कर सम्मान दिया ऐसे व्यक्तिव को हम सब शिवसैनिक नमन करते है। इस मौके पर जिला वरिष्ठ उप प्रमुख कमलेश सिंह चौहान, जिला उप प्रमुख दीपू बाल्मिकी उर्फ पंडित, जिला सचिव हेमेंद्र प्रताप सोनी, जिला महासचिव पवन रावत,राम सिंह, इंदल चौहान, पुरुषोत्तम मिश्र आदि उपस्थित थे।

साबिर अली ने परिवार समेत सनातन धर्म अपनाया

द अचीवर टाइम्स। संवाददाता

लखनऊ। सनातन धर्म की महिमा ही ऐसी है कि जो इसको समझने की एक बार भी कोशिश करता है तो वो इससे अलग नहीं होता है।इस पूरा देश अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने से रामभक्ति में लीन हैं।वो लोग जो कभी सनातन धर्म को किसी कारण से छोड़कर किसी दूसरे पंथ में चले गए थे, वो भी सनातन धर्म में वापसी कर रहे हैं।ऐसा ही मलिहाबाद के माल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत लतीफपुर में साबिर अपनी पत्नी समेत घर वापसी कर ली। आपको बता दें कि 22 जनवरी को हिंदुओं का पांच सौ वर्षों का इंतजार खत्म हुआ। जब राम लला अपने मंदिर में स्थापित हो गए। वहीं सनातन धर्म की महिमा को जानने के बाद मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के माल ब्लॉक की ग्राम पंचायत लतीफपुर निवासी साबिर अली ने परिवार समेत सनातन धर्म अपनाया।इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उनका सनातन धर्म में स्वागत किया।घर वापसी के बाद इन्होंने अपना नाम बदलकर सतेंद्र त्यागी व अपनी पत्नी का नाम मरजीना से सिया दुलारी रखा है।उल्लेखनीय है कि भगवान राम के राम मंदिर में पहुंचने के साथ ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में भी सनातन संस्कृति के प्रति अगाध श्रद्धा बढ़ रही है। यही कारण है कि लोग वापस अपनी जड़ों की ओर लौट रहे हैं। इस मौके पर त्रिभुवन नाथ बाबा,विहिप जिलाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार, डॉक्टर विनोद कुमार, सुशील कुमार,रवि राजपूत सहित दर्जनों संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

कांग्रेस नेता डा. पी.एल. पुनिया का धूम धाम से मनाया जन्मदिन

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

बाराबंकी। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व चेयरमैन पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया का 79वां जन्मदिन आज कांग्रेसजनो ने धूमधाम से आतिशबाजी करके केक काटकर, खिचडी भोज, भंडारा करके, गरीबो में कम्बल वितरण करके मनाकर अपने प्रिय नेता की लम्बी उम्र की कामना की।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अपने प्रिय नेता पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया के अपने ओबरी आवास पर पहुंचते ही युवक कांग्रेस अध्यक्ष सिकन्दर अब्बास रिजवी तथा मो0 अकील की अगुवाई में दर्जनो कांग्रेसजनो ने आतिशबाजी तथा गगनभेदी नारो के साथ उनका स्वागत किया। तदोपरान्त पूर्व सांसद के ओबरी आवास पर 21 किलो की माला, पगडी, शाल डालकर 11 किलो का केक काटकर उनके लम्बी उम्र कामना करके जन्मदिन की बधाई दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य वीरेन्द्र प्रताप यादव ने जनपदीय कचेहरी में अधिवक्ताओ के साथ खिचडी भोज करके अपने प्रिय नेता को जन्मदिन की बधाई दी। वरिष्ठ कांग्रेसनेत्री एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी राबिया बेगम, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष शबनम वारिस, नगर अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, तस्लीमन खान ने पूर्व सांसद के ओबरी आवास पर केक काटकर गरीबो को कम्बल, स्वेटर देकर पूर्व सांसद का जन्म दिन मनाकर लम्बी उम्र की कामना की।

ह्यूमन हेल्प मेमोरियल ट्रस्ट एण्ड रिसर्च सेंटर की ओर से निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। स्वंयसेवी संस्था ह्यूमन हेल्प मेमोरियल ट्रस्ट एंड रिसर्च सेंटर ने महिला स्वास्थ्य की सुरक्षा में मदद करने के लिए निःशुल्क सैनिटरी पैड्स का वितरण करने की एक महत्वपूर्ण पहल की है। यह कार्यक्रम सुभाष जयंती के अवसर पर 23 जनवरी 2024 को 6, पंडित नगर, नारी कला मंदिर, कैसरबाग में सम्पन्न हुआ। संस्थान के चेयरमैन वी के राजपूत ने बताया कि इस संस्थान का उद्देश्य महिलाओं को स्वस्थ और सुरक्षित बनाए रखने के लिए है और इसका हिस्सा बनकर उन्हें निःशुल्क सैनिटरी पैड्स प्रदान कर रहे हैं। इस पहल में संस्थान ने लगभग 300 पैड्स महिलाओं को उपलब्ध कराए हैं, ताकि वे इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा उपाय का लाभ उठा सकें। संस्थान की एकाउंट एग्जीक्यूटिव एकता व लीगल एडवाइजर संगम रावत ने उपस्थित महिलाओं को सैनिटरी पैड्स के महत्व के बारे में शिक्षा प्रदान करके, सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का प्रयास किया ताकि महिलाएं अपने स्वास्थ्य की देखभाल में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में नारी शिक्षा निकेतन पी जी कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ सपना वर्मा उपस्थित रही। अपने सम्बोधन में डॉ सपना वर्मा ने कहा कि ह्यूमन हेल्प मेमोरियल ट्रस्ट एण्ड रिसर्च सेंटर की ओर से की गई इस मुहिम का सफल होना और इसे हर एक औरत की सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए हम संस्थान के आभारी हैं। संस्थान द्वारा इस सामाजिक पहल का सफल आयोजन किया गया और आशा है की ऐसे ही निरंतर प्रयासों से हम समृद्धि और समर्पण से भरा समाज बना सकेंगे। संस्था के अन्य सदस्यगण प्रेरणा श्रीवास्तव, अखण्ड प्रताप सिंह, तेजस्वनि श्रीवास्तव, निखिल द्विवेदी एवं विनोद कुमार भारती ने कार्यक्रम का सकुशल संचालन किया।

झोपड़ी में लगी आग कीमती सामान जलकर राख

द अचीवर टाइम्स। अखिलेश दास

रामनगर बाराबंकी। तहसील रामनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत लोहटी जई में सोमवार को करीब दस बजे अज्ञात कारणों से छप्पर नुमा झोपड़ी में आग लग गई। घर की महिला चीख पुकार करती रही काफी देर तक कोई नहीं आया तब तक घर में रखा कीमती सामान जलकर राख हो गया। महिला की तेज आवाज से आसपास के पड़ोसी इकट्ठा हो गए उन्होंने किसी तरह से आग पर काबू पाया तब तक गृहस्थी का समान जलकर राख हो गया था। परिजनों ने पीआरबी 112 पुलिस को फोन कर दिया रामनगर थाने से दो पुलिस की गाड़ियां आ गई तब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। पूरा मामला ग्राम पंचायत लोहटी जई निवासी सोनू निषाद पुत्र इंदर निषाद के घर का है जहां सोमवार को भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी घरों में दीपक जलाए गए थे तो सोनू ने भी अपनी झोपड़ी में दीपक जलाया था। किसी तरह अज्ञात कारणों से आग लग गई और छप्पर जलने लगा जिससे उनका घर का सामान व रजाई गद्दा कंबल जल गया। लेखपाल राम सुफल वर्मा ने बताया आग से हुए नुकसान का जांच कर पीड़ित को आर्थिक सहायता दिलाने का काम राजस्व विभाग के द्वारा किया जाएगा।

मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया थाः सीएम योगी

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री व सर संघचालक को भेंट किया राम मंदिर का रजत मॉडल

रामराजबैठेत्रैलोका।हर्षितभये गएसबसोका।।

संवाददाता

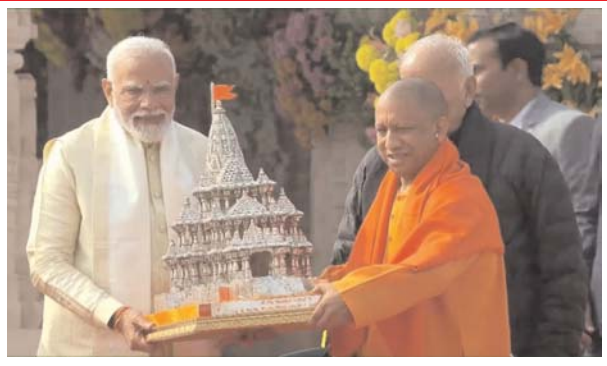

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्याधाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत अपने मनोभाव प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था।

रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे। रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः॥

प्रभु श्रीरामलला की जय! सरयू मइया की जय! भारत माता की जय! जय जय श्रीसीता राम ! प्रभु श्रीरामलला के भव्य- दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि-कोटि बधाई। 500 वर्षों के लंबे अंतराल के उपरांत आज के इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे हैं। मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विह्वल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा ही अनुभव कर रहे होंगे।आज इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर- हर ग्राम अयोध्याधाम है। हर मार्ग श्रीरामजन्मभूमि की ओर आ रहा है।हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं।आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल?प स?वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर रामभक्त के हृदय में प्रसन्नता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं।आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी। भाव-विभोर कर देने वाली इस दिन की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियां व?यतीत हो गई, दर्जनों पीढ़ियां अधूरी कामना लिए इस धराधाम से साकेतधाम में लीन हो गईं, किन?तु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा। श्रीरामजन्मभूमि, संभवतः विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य के जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। संन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पाति, विचार- दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि-कोटि सनातनी आस?थावानों के त?याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था।संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की समाप्ति के लिए, हमारे संकल्प पूर्णता के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार और अभिनंदन। प्रधानमंत्री जी! 2014 में आपके आगमन के साथ ही भारतीय जनमानस कह उठा था... **मोरे जिय भरोस दृढ़ सोई। मिलिहहिं राम सगुन सुभ होई॥**

अभी गर्भगृह में वैदिक विधि-विधान से रामलला के बाल विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा के हम सभी साक्षी बने।

अलौकिक छवि है हमारे प्रभु की। बिल्कुल वैसे, जैसा संत तुलसीदास जी ने वर्णन किया है...

नवकंज लोचन। कंज मुख। कर कंज। पद कन्जारुणम।धन्य है वह शिल्पी, जिसने हमारे मन में बसे राम की छवि को मूर्त रूप प्रदान किया।

विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण?य स?मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ।श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति महायज्ञ न केवल सनातन आस्था व विश्वास की परीक्षा का काल रहा, बल्कि, संपूर्ण भारत को एकात्मकता के सूत्र में बांधने के लिए राष्ट्र की सामूहिक चेतना जागरण के ध्येय में भी सफल सिद्ध हुआ।सदियों के बाद भारत में हो रहे इस चिरप्रतिक्षित नवविहान को देख अयोध्या समेत भारत का वर्तमान आनन्दित हो उठा है। भाग्यवान है हमारी पीढ़ी, जो इस राम-काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम-काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं। जिस अयोध्या को ÷अवनि की अमरावती÷ और ÷धरती का वैकुंठ÷ कहा गया, वह सदियों तक अभिशिप्त रही। उपेक्षित रही। सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पददलित होती रही, चोटिल होती रही।राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाये रखा, लेकिन हर एक नए दिन के साथ हमारा संकल्प और दृढ़ होता गया।

और आज देखिए... पूरी दुनिया अयोध्या जी के वैभव को निहार रही है। हर कोई अयोध्या आने को आतुर है।आज अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव उतर आया है। दिख रहा है। यह धर्म नगरी %विश्व की सांस्कृतिक राजधानी% के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है। पूरा विश्व दिव्य और भव्य अयोध्या का साक्षात्कार कर रहा है।आज जिस सुनियोजित एवं तीव्र गति से अयोध्यापुरी का विकास हो रहा है, वह प्रधानमंत्री जी के दृढ़संकल्प, इच्छशक्ति एवं दूरदर्शिता

झारखंड के ष्टरूहेमंत सोरेन ने 2500 युवाओं को बांटा ऑफर लेटर, बोले- नौकरी देना चुनौती, पर हम पीछे नहीं

संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विभिन्न कपड़ा निर्माता कंपनी में भर्ती के लिये चयनित हुये 2,500 युवाओं को नियुक्ति प्रस्ताव पत्र (ऑफर लेटर) वितरित किए। रांची के ताना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण का कानून लागू कर 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार दिया गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव रांची में आयोजित %रोजगार मेला% में 2500 कौशल प्राप्त युवाओं का ऑफर लेटर दिया। इन युवाओं को अरविंद टेक्सटाइल, किशोर एक्सपोर्ट, श्री गणपति क्रिएशन, अर्बन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड, मैट्रिक्स क्लोथिंग, वेलेंसिया अपैरल्स और ओरिएंट क्राफ्ट टेक्सटाइल कंपनियों ने नियुक्ति दी है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि जब हमारी सरकार बनी तब ठीक से हम मंत्रिमंडल का विस्तार भी नहीं कर पाए। फिर कोरोना संक्रमण जैसी महामारी ने देश और दुनिया को अपने चपेट में ले लिया। कोविड के चलते पूरा देश और दुनिया रुक सा गया। देश ने इससे पहले इस तरीके की वैश्विक चुनौती कभी नहीं देखी थी। इस प्रकार का वैश्विक संक्रमण पिछड़े एवं गरीब राज्यों के लिए सबसे ज्यादा तकलीफ देने वाली होती है। सीएम सोरेन ने कहा कि गरीब, मजदूर और जरूरतमंदों के लिए कोरोना काल एक अभिशाप जैसा था। सभी लोग अपने-अपने घरों के भीतर बन्द रहने के लिए मजबूर हो गए थे। लॉकडाउन में रोजगार के सभी साधन बंद हो गए। ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा नुकसान प्रवासी मजदूरों को हुआ, क्योंकि वे बेघर हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बना, जिसने प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन के समय हवाई जहाज सहित विभिन्न माध्यमों से वापस घर लाने का कार्य कर दिखाया। लॉकडाउन के कारण कई इंडस्ट्री बंद हुए जो आज तक उबर नहीं पाए। कोरोना संक्रमण का असर आज भी कहीं न कहीं देखने को मिल रहा है। ऐसी विपरीत स्थिति में भी हमारी सरकार ने एक बेहतर मैनेजमेंट का उदाहरण देते हुए बिना कोई अपना-तफरी के राज्यवासियों और प्रवासी मजदूरों को सुरक्षित रखने का काम कर दिखाया है। झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक महामारी के समय हमारी सरकार के अधिकारी निरंतर यहां के जनमानस को बचाने का रास्ता ढूंढते रहे। राज्य सरकार और महिला समूह की

दीदियों ने गांव-गांव पंचायत-पंचायत पहुंचकर लोगों को खाना खिलाया, घरों पर अनाज उपलब्ध कराया। कोविड से निपटने में हमारी महिला दीदियों का भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि जैसे ही कोरोना संक्रमण का धुंध छटा राज्य सरकार ने रोजगार सृजन को लेकर एक बेहतर रणनीति बनाई। दूसरे प्रदेश से लौटे मजदूर सहित यहां के किसान, गरीब, जरूरतमंदों को कई योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 100 वर्ष से भी अधिक समय से झारखंड में खनिज-संपदा निकालने का काम किया गया, लेकिन यहां की खनिज-संपदा का पूरा लाभ राज्यवासियों को नहीं मिला। बल्कि दूसरे प्रदेश के लोगों के घर हमारे खनिज-संपदाओं से रोशन हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य के कोयला से दूसरे राज्य रोशन हुए और झारखंड अंधेरे में रहने को मजबूर हुआ। हमारी सरकार ने खनिज-संपदा के अतिरिक्त भी कई विभिन्न क्षेत्रों में संभावना तलाशते हुए रोजगार सृजन कराया।

निजी क्षेत्र में 75त्न नियुक्तियां स्थानीय लोगों को मिले, ये नियम बनाया

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड में एक बेहतरीन उद्योग पॉलिसी बनाते हुए टेक्सटाइल इंडस्ट्री को जोड़ा। राज्य सरकार और टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लोगों ने वादे के मुताबिक, 75त्न स्थानीय लोगों को अपने संस्थानों में नियुक्तियां दीं। राज्य सरकार के साथ-साथ टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लोगों ने भी कदम से कदम मिलते हुए जरूरतमंद लोगों को रोजगार से जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में 50 हजार से अधिक युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में नियुक्तियां देने का काम राज्य सरकार ने कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गांव-देहात के नौजवान फौज में नौकरी करने की तैयारी करते थे, लेकिन वर्तमान के समय में फौज में भी नियुक्तियां रुक सी गई हैं। गांव-देहात के वैसे बच्चे जो शहर में रहकर पढ़-लिख जाते थे वे बैंक और रेलवे में नौकरी की तैयारी करते थे लेकिन गलत नीति-निर्धारण के कारण आज बैंक तथा रेलवे में नौकरियां घटी हैं। केंद्र सरकार के कई उद्यम अब निजी हाथों में चला गया है यही कारण है कि अब सरकारी नौकरियां कम हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने एक अच्छी उद्योग नीति बनाकर 75त्न स्थानीय लोगों को राज्य में स्थापित इंडस्ट्री में रोजगार देने का नियम बनाया है।

एक नज़र

रामलला प्राण प्रतिष्ठा पर कारसेवक ने तैयार की 125 चद्द की चाट, चढ़ाए पांच किलो समोसे

एजेंसी

कानपुर। अयोध्या में भगवान श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा को पूरा देश उत्सव के रूप में मना रहा है। कानपुर में एक कार सेवक ने 125 किलोग्राम की आलू की टिक्की तैयार कर शहर वासियों के बीच वितरण किया। वहीं, एक राम भक्त ने पांच-पांच किलोग्राम के समोसे बनाकर भगवान श्रीराम के चरणों में भेट किया। यूपी के अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का गवाह पूरा देश बना है। देश में 22 जनवरी का दिन एतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। इस पावन उत्सव को देशवासी अपने-अपने तरीके से मना रहे हैं। कानपुर में एक कारसेवक ने 125 किलोग्राम की आलू की टिक्की बनाकर भगवान श्रीरामलला को समर्पित कर, शहरवासियों के बीच वितरण किया। 125 किलोग्राम की चाट आकर्षण का केंद्र बन गई। वहीं, एक भक्त ने पांच-पांच किलो के समोसे बनाकर भगवान श्रीरामलला के चरणों में चढ़ाए। बर्रा थाना क्षेत्र स्थित भूत बंगले के पास रहने वाले ठाकुर प्रसाद गुप्ता की चाट की शॉप है। कानपुर में मयूरी चाट के नाम से फेमस हैं। ठाकुर प्रसाद गुप्ता कार सेवक रह चुके हैं। बाबरी विध्वंस के दौरान अयोध्या भी गए थे। उनकी अयोध्या और रामजन्मभूमि में गहरी आस्था है। अयोध्या में भगगवान श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा होने से ठाकुर प्रसाद और उनका परिवार बेहद खुश है। ठाकुर प्रसाद ने भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को यादगार बनाने के लिए 125 किलोग्राम की आलू टिक्की का बनाने का फैसला लिया था। ठाकुर प्रसाद ने 125 किलो की आलू की टिक्की बनाने के तैयारी रविवार से ही शुरू कर दी थी। भारी भरकम आलू की टिक्की को जब लोगों के सामने वितरण करने के लिए रखा गया, तो जय श्रीराम के नारे लगने लगे। किदवई में रहने वाले आनंद गुप्ता की समोसे की दुकान है। आनंद ने पांच-पांच किलोग्राम के समोसे बनाकर मंदिर में चढ़ाए हैं। उनका कहना है कि अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने की खुशी पूरे विश्व को है। भगवान अपने घर लौट आए हैं, इस खुशी में मैंने पांच किलो के समोसे भगवान श्रीराम के चरणों में भेंट किए हैं। ठाकुर प्रसाद ने बताया कि हम लोग बाबरी विध्वंस के दौरान अयोध्या गए थे। मेरे मन था कि जब मंदिर बन जाएगा, और भगवान श्रीरामलला अपने घर आ जाएंगे, तों मैं प्रसाद चढ़ाउंगा। मैंने 125 किलोग्राम की चाट बनाकर भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पित की है। देश की सभी कारसेवकों का सपना आज पूरा हो गया। शहरवासियों के बीच 125 किलो की चाट वितरित की जा रही है। जिसमें 125 किलो की चाट में लगभग 1200 लोग खा सकते हैं।

बिहार की बेटी सादिया परवीन ने किया कमाल, बनीं सिवान जिले की पहली मुस्लिम पायलट

सिवान। बिहार के सिवान जिले की एक मुस्लिम बेटी ने कमाल कर दिया है। इस बेटी का नाम है सादिया परवीन, जो रघुनाथपुर प्रखंड के मियाताड़ी की रहने वाली हैं। सादिया परवीन ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पायलट बन गई हैं। वह सिवान जिले की पहली मुस्लिम महिला पायलट बनीं हैं। बिहार के सिवान जिले की सादिया परवीन ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वह जिले की पहली मुस्लिम महिला पायलट बनीं हैं। सादिया ने संयुक्त अरब अमीरात (श्व) से पायलट ट्रेनिंग ली है। सादिया ने बताया कि उनका बचपन से ही एक सपना था कि वो प्लेन उड़ाएं। अब ये सपना सच हो गया है। उन्होंने बताया कि उनके पिता भी एक किसान हैं और उन्होंने हमेशा उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया है। सादिया ने बताया कि उन्होंने कोलकाता से पढ़ाई पूरी करने के बाद श्व में दो साल तक पायलट ट्रेनिंग ली। अब वह एक लाइसेंस प्राप्त पायलट हैं। सिवान जिले के रघुनाथपुर प्रखंड के मियाताड़ी की रहने वाली सादिया परवीन फिलहाल कोलकाता में रहती है। हालांकि पैतृक गांव में उनका आना-जाना लगा रहता है। गांव में मां-पिता और परिवार के अन्य सदस्य रहते हैं। सादिया के पिता बिजनेस मैन हैं। सादिया की सफलता से उनके परिवार और पूरे जिले में खुशी की लहर है। उनके माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटी पर बहुत गर्व करते हैं। उन्होंने कहा कि सादिया की सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। सादिया ने कहा कि वह एक दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ान भरना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह अन्य महिलाओं को भी प्रोत्साहित करना चाहती हैं कि वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ें। बता दें, सादिया अभी डोमेस्टिक प्लेन उड़ा रही है।

चिराग के सियासी गेम प्लान ने दिया नीतीश और कांग्रेस को झटका, चाचा पशुपति पारस देखते रह गए, जानिए पूरी बात

संवाददाता

पटना। लोजपा (आर) के नेता चिराग पासवान की न सिर्फ बिहार में सियासी सक्रियता एनडीए के दूसरे दलों से अधिक रही है, बल्कि अब वे आहिस्ता-आहिस्ता अपनी ताकत भी बढ़ाने में जुट गए हैं। कांग्रेस से लंबे समय तक जुड़ी रहीं स्वर्गीय रघुनाथ झा की बहू विनीत विजय को उन्होंने लोजपा (आर) की सदस्यता दिला दी है। आइए जानते हैं इससे उत्तर बिहार की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा। बिहार में इंडी अलायंस के नेता एनडीए के घटक दलों में शामिल होते रहे हैं। पहले जेडीयू से इसकी शुरुआत हुई। उसके दर्जनभर से ज्यादा कद्दावर नेता टूटे। ज्यादातर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। अब लोजपा (आर) ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इसकी ताजा झांकी मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में रविवार को देखने को मिली। कांग्रेस के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रह चुकीं विनीता विजय ने अपने समर्थकों के साथ लोजपा (राम विलास) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। बिहार में 11 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका है। विनीता बिहार के भूतपूर्व मंत्री रघुनाथ झा की बहू हैं। लंबे समय तक कांग्रेस के साथ वे जुड़ी रहीं। सियासी हलके में चर्चा है कि विनीता विजय को कांग्रेस से निकाल कर अपने दल में शामिल कराने वाले चिराग पासवान उन्हें वैशाली से उम्मीदवार बना सकते हैं। वैशाली से वीणा देवी अभी लोजपा की सांसद हैं। लोजपा के दो फाड़ होने पर वीणा देवी पशुपति पारस के साथ चली गई थीं। हालांकि अब वे चिराग पासवान के काफी करीब हैं। हाल के दिनों में वीणा देवी ने चिराग पासवान की जिस तरह तारीफ करनी शुरू की है, उससे किसी को यह विश्वास नहीं हो रहा है कि उनका टिकट कटना चाहिए। वीणा ने अब स्पष्ट तौर पर कहना शुरू किया है कि उनके नेता चिराग पासवान हैं। वे उन्हें अपना आदर्श मानती हैं। चिराग के विजन- बिहार फर्स्ट 'बिहारी फर्स्ट' पर लोग काम कर रहे हैं। चिराग की तारीफ में तो उन्होंने यहां तक कह दिया कि उन्हें (चिराग को) बिहार के सीएम के रूप में जनता देख रही है। विनीता विजय के पार्टी में आने के बाद वीणा देवी के वैशाली से चिराग की पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने में संदेह की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ऐसी स्थिति में अगर कोई पार्टी उन्हें मौका दे तो उनके लिए पाला बदलना कोई अचरज की बात नहीं होगी। विनीता विजय कभी कांग्रेस की बड़ी नेता रही हैं। वे भूतपूर्व मंत्री रघुनाथ पांडेय की बहू तो हैं ही, वर्ष 2009 में लोकसभा का चुनाव भी कांग्रेस के टिकट पर लड़ चुकी हैं। साल 2010 में कांग्रेस ने उन्हें बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष भी बनाया था। कांग्रेस ने उन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने पार्टी की ही जमीन हड़प ली थी। इसी शिकायत के मद्देनजर पार्टी ने उन्हें 2015 में छह साल के लिए निकाल दिया था। चिराग पासवान की उपलब्धि सिर्फ यही नहीं है। उनकी एक और बड़ी उपलब्धि उल्लेखनीय है। साल 2020 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने जेडीयू के खिलाफ अपने कैंडिडेट उतार कर नीतीश की खाट खड़ी कर दी थी। जेडीयू दावा करता है कि चिराग की वजह से ही उसके कम से कम ढाई दर्जन उम्मीदवार हार गए। जेडीयू 45 सीटों पर सिमट गया। नीतीश कुमार की दुर्गति चिराग ने कर दी। कहा तो यह भी जाता है कि भाजपा के इशारे पर ही चिराग ने यह काम किया था। हालांकि उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। नीतीश तब बीजेपी के साथ थे। नीतीश के कहने पर बीजेपी ने चिराग को एनडीए से बाहर कर दिया। नीतीश का मन इससे भी नहीं भरा तो उन्होंने लोजपा का विभाजन भी करा दिया। नीतीश की वजह से ही लोजपा दो भागों में बंट गई, ऐसा चिराग पासवान के खेमे के लोग कहते हैं। ऐसा नहीं होता तो पशुपति पारस की जगह चिराग केंद्रीय मंत्री बने होते।विभाजन के बाद लोजपा के छह सांसदों में पांच राम विलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस के साथ चले गए। अपने खेमे में अकेले चिराग ही सांसद रह गए थे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या नहीं गए एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र में रहकर क्या किया?

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे राममंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में अयोध्या नहीं गए। इस मौके पर शिंदे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ढोल बजाये। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (श्वम्नठ्ठड्डह्लद्ध स्द्धद्बठ्ठस्रद्ग) ने सोमवार को अयोध्या मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा किये जाने के अवसर पर ठाणे में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ढोल बजाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला के नवीन विग्रह की दोपहर साढ़े 12 बजे प्राण-प्रतिष्ठा की गई और देश-विदेश में लाखों रामभक्त इसके साक्षी बने। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान बजायी गई मधुर 'मंगल ध्वनि' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया गया। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद शिंदे और उनकी पार्टी (शिवसेना) के कार्यकर्ता मुंबई के पड़ोसी ठाणे शहर में कपिनेश्वर मंदिर के पास खुले स्थान पर एकत्र हुए। वहां मुख्यमंत्री ने इस अवसर के उपलक्ष्य में ढोल बजाये। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का 500 साल का सपना आखिरकार सच हो गया। एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह बालासाहेब ठाकरे और लाखों राम भक्तों का सपना था। कारसेवा के दौरान आनंद दीघे (शिंदे के राजनीतिक गुरु) ने हमारा नेतृत्व किया और

उन्होंने मंदिर के निर्माण के लिए चांदी की एक ईट भी दान में दी। राम मंदिर आस्था का विषय है, राजनीति का नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल यह तंज कसा करते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे पर तारीख नहीं बताएंगे लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारीख निर्धारित की और मंदिर अब श्रद्धालुओं के लिए खुल गया। शिंदे ने कहा कि आज का दिन स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम जब वनवास गए तब वह सबसे पहले नासिक आये थे। शिंदे ने कहा कि अयोध्या मंदिर में इस्तेमाल की गई सागवान की लकड़ी महाराष्ट्र की है। मुख्यमंत्री शाम में दादर के शिवाजी पार्क से मुंबई के निचले पारले इलाके में स्थित भोईवदा राम मंदिर तक एक शोभायात्रा में भी हिस्सा लेंगे।

गाड़ी को ओवरटेक करने पर बौखलाए स्ष्टरू, सरेराह युवकों को पीटा, डंडे से कार में की तोड़फोड़

एजेंसी

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया में बांधवगढ़ एसडीएम अमित सिंह ने कुछ युवकों के साथ जमकर मारपीट की। युवकों की गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्?होंने एसडीएम अमित सिंह की गाड़ी को ओवरटेक किया था। दो युवकों को गंभीर चोट आई हैं। वहीं, मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ है। मध्?य प्रदेश के उमरिया जिले के एसडीएम की गुंडागर्दी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें वे कुछ युवकों को सरेराह बेरहमी से डंडे से पीट रहे है, साथ ही उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर रहे है। वहीं, एसडीएम की पिटाई के बाद युवकों को अस्?पताल में भर्ती कराया गया है। युवकों को गंभीर चोट आई है। दरअसल, मामला उमरिया जिले के बांधवगढ़ का है। यहां पदस्?थ एसडीएम अमित सिंह ने

कुछ युवकों के साथ मारपीट कर दी। युवकों को गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि घंघरी ओवरब्रिज के पास युवकों ने एसडीएम की कार को ओवरटेक कर दिया, जिससे एसडीएम बौखला गए। उन्?होंने युवकों की कार को रोका और पिटाई करना शुरू कर? दिया। बांधवगढ़ एसडीएम अमित सिंह का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा रहा है कि वे सरेराह युवकों को लाठी-डंडे से पीट रहे हैं, साथ ही उनकी कार में भी तोड़फोड़ कर रहे हैं। एक युवक का सिर फटा है, तो अन्?य युवकों को भी गंभीर चोट आई हैं।

एनसीवीटी की मान्यता की फाइल अटकी, छात्र संख्या मात्र दो रह गई

संवाददाता

पौड़ी जिले के यमकेश्वर ब्लॉक के राजकीय आईटीआई गैंडखाल को एनसीवीटी (नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग) की 13 साल बाद भी मान्यता नहीं मिल सकी है। मान्यता की फाइल हल्द्वानी स्थित प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय में लटकी है। एनसीवीटी की मान्यता न मिलने के कारण का यहां वेल्डर के ट्रेड में छात्रसंख्या मात्र दो रह गई है। वर्ष 2010 गैंडखाल में आईटीआई की मान्यता मिली थी। करीब छह वर्ष तक आईटीआई किराये के भवन में चलता रहा। 2016 में आईटीआई का नया भवन बनकर तैयार हुआ। भवन में सड़क, बिजली, पानी की सुविधा न होने के कारण एससीवीटी (स्टेट काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग) की ओर से ओर से आईटीआई की रिपोर्ट एनसीवीटी की मान्यता के लिए नहीं भेजी गई। एक साल पहले आईटीआई भवन में बिजली और पानी की सुविधा हो चुकी हैं। जबकि रोड करीब आठ साल पहले पहुंच चुकी है। आईटीआई में वर्तमान में वेल्डर और सिलाई कटिंग ट्रेड संचालित हो रहे हैं। यह ट्रेड (एससीवीटी) से मान्यता प्राप्त हैं। सिलाई कटिंग में करीब 15 छात्र हैं। जबकि वेल्डर वाले ट्रेड में महज दो छात्र रह गए हैं।

उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शिंदे और उनके खेमे को भेजा नोटिस, कब थमेगा शिवसेना का ये संकट?

संवाददाता

नई दिल्ली/मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे ग्रुप की अर्जी पर सुनवाई की है। महाराष्ट्र से सीएम शिंदे और उनके विधायकों को नोटिस जारी किया गया है। याचिका में उद्धव ग्रुप की ओर से विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के फैसले को चुनौती दी गई है। शिवसेना में बंटवारे के बाद शिंदे गुट को असली राजनीतिक दल घोषित करने के फैसले को लेकर यह चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे ग्रुप की अर्जी पर सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र से सीएम एकनाथ शिंदे और उनके विधायकों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है। याचिका में उद्धव ग्रुप की ओर से विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के 10 जनवरी के आदेश को चुनौती दी गई है। नार्वेकर

ने जून 2022 में विभाजन के बाद के शिंदे ग्रुप के शिवसेना को असली शिवसेना घोषित किया है और उद्धव ठाकरे ग्रुप की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें शिंदे ग्रुप के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने की गुहार लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच के सामने उद्धव ठाकरे ग्रुप की ओर से कपिल सिब्बल पेश व अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। इनकी दलील पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने शिंदे ग्रुप को नोटिस जारी किया है। सीएम शिंदे और कुछ विधायकों को सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। ठाकरे ग्रुप की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि शिंदे ने असंवैधानिक तरीके से सत्ता हथिया ली है। वह असंवैधानिक सरकार की अगुवाई कर रहे हैं। शिवसेना में विभाजन के बाद शिवसेना नेता व महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे गुट को विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा असली राजनीतिक दल घोषित करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे ग्रुप की ओर से चुनौती दी दी गई है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ग्रुप की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने शिंदे समेत उनके ग्रुप के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के ठाकरे ग्रुप की याचिका को भी खारिज कर दिया था। अब विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। दरअसल पिछले साल ठाकरे के खिलाफ शिंदे ग्रुप ने विद्रोह किया था। बाद में ठाकरे ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। इसी साल राज्य में विधानसभा चुनाव भी होने हैं ऐसे में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का फैसला बेहद अहम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई 2023 को जो जजमेंट दिया था उसमें उद्धव ठाकरे सरकार को दोबारा बहाल करने से मना कर दिया था साथ ही कहा था कि स्पीकर के सामने जो अयोग्यता मामले में केस पेंडिंग है उसे तार्किक समय में निपटारा किया जाए। उद्धव ठाकरे ग्रुप की ओर से सुनील प्रभु ने स्पीकर के सामने आवेदन देकर शिंदे ग्रुप के विधायकों को अयोग्य घोषित करने की गुहार लगाई हुई थी।

साल 2023 की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा प्लेइंग-11 में भारत के दो खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। टीम में चार बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, तीन ऑलराउंडर, तीन तेज गेंदबाज हैं। पैट कमिंस को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, भारत के सिर्फ दो ही खिलाड़ी इस टीम में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने साल 2023 की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का एलान कर दिया है। टीम की कमान पैट कमिंस को सौंपी गई है। वहीं इस टीम में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में भारत और इंग्लैंड के दो-दो खिलाड़ी, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के एक-एक खिलाड़ी हैं। टीम में चार बल्लेबाज, एक विकेटकीपर, तीन ऑलराउंडर, तीन तेज गेंदबाज हैं। ओपनिंग की जिम्मेदारी उस्मान ख्वाजा और दिमुथ करुणारत्ने को दी गई है। वहीं, तीसरे नंबर पर केन विलियम्सन और चौथे नंबर पर जो रूट को रखा गया है। ट्रेविस, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के रूप में टीम में तीन ऑलराउंडर हैं। वहीं, कमिंस, मिचेल स्टार्क और स्टुअर्ट ब्रॉड के रूप में तीन तेज गेंदबाज हैं। एलेक्स कैरी टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज होंगे। इस टीम में पाकिस्तान, बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका का कोई खिलाड़ी नहीं है। भारत से जडेजा और अश्विन को ही सिर्फ जगह मिली है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया से ख्वाजा, हेड, कैरी और स्टार्क जगह बनाने में कामयाब रहे। इंग्लैंड के जो रूट और स्टुअर्ट ब्रॉड भी प्लेइंग-11 में हैं। ब्रॉड ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके अलावा श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने और न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन भी इस टीम में हैं। उस्मान ख्वाजा, दिमुख करुणारत्ने, केन विलियम्सन, जो रूट, ट्रेविस हेड, रवींद्र जडेजा, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), रविचंद्रन अश्विन, मिचेल स्टार्क, स्टुअर्ट ब्रॉड। ख्वाजा ने पिछले साल 13 मैचों में 52.60 की औसत से 1210 रन बनाए थे। इनमें छह शतक और छह अर्धशतक शामिल थे। करुणारत्ने ने भी श्रीलंका के लिए पिछले साल शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 60.8 की औसत से 608 रन बनाए थे। 33 साल के विलियम्सन ने 2023 का अंत 695 रन के साथ किया। इस दौरान उन्होंने चार शतक लगाए। विलियम्सन के अलावा रूट ने भी शानदार बल्लेबाजी की। वह चौथी बार टेस्ट टीम ऑफ द ईयर में शामिल हुए हैं। इसके अलावा वह टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के भी रेस में हैं। हेड की ऑलराउंड क्षमता ने उन्हें टीम में जगह दिलाई। हेड ने पिछले साल 12 मैचों में 919 रन बनाए और केवल दो खिलाड़ी ही इस मामले में उनसे आगे रहे। भारत के रवींद्र जडेजा ने अपनी घातक गेंदबाजी और जरूरत के समय शानदार बल्लेबाजी की वजह से सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह बनाई। वहीं, एलेक्स कैरी ने पिछले साल अपनी विकेटकीपिंग स्किल से सभी का दिल जीता। उन्होंने विकेट के पीछे कुल 54 शिकार किए। इनमें 44 कैच और 10 स्टंपिंग शामिल हैं। कप्तान कमिंस ने पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हुए उन्हें चैंपियन बनाया। साथ ही एशेज को भी रिटेन करने में कामयाब रहे। उन्होंने पिछले साल 11 मैचों में 42 विकेट निकाले। भारत के अश्विन पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंने चार मुकाबले में 25 विकेट लिए थे। पिछले साल अश्विन शानदार गेंदबाजी के बावजूद ड्ढक्क्रञ्जष्ट फाइनल की प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाए थे, लेकिन आईसीसी ने ऐसी गलती नहीं की। वहीं, स्टार्क ने 2023 में नौ मैचों में 38 विकेट लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके स्टुअर्ट ब्रॉड का भी नाम इसमें शामिल है। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज में उन्होंने सबसे ज्यादा 22 विकेट लिए थे।

पिछले साल इन खिलाड़ियों ने टेस्ट में जीता दिल

रील्स और फोटो पर लाखों लाइक्स इंस्टाग्राम से कमाएं धमाकेदार इनकम

आपके इंस्टाग्राम पोस्ट्स, रील्स और फोटोज़ पर जो बंपर व्यूज़ और लाइक्स मिल रहे हैं, उन्हें अब आप अपनी कमाई में बदल सकते हैं। बिना किसी अतिरिक्त मेहनत या सोशल मीडिया पर विशेष ट्रैफ़िक लाने के, आप इंस्टाग्राम को अपने पैसे कमाने का एक सशक्त माध्यम बना सकते हैं। इस जानकारी पर आपको सभी को खुशी होगी कि आप Instagram को सिर्फ एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं मान सकते। बल्कि यह एक मंच है जो आपको करोड़ों लोगों तक पहुंचने का मौका देता है और न केवल आपके क्रिएटिविटी को प्रदर्शित करता है बल्कि आपको इससे कमाई भी दिलाता है।

क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी इंस्टाग्राम फोटो और रील्स से आप पैसे कमा सकते हैं? जी हां, यह संभव है! आजकल इंटरनेट की दुनिया में जहां हर कोई अपनी खास पहचान बनाने के लिए तरह-तरह के प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर रहा है, वहीं Instagram ने अपनी पहचान बनाने का नया रास्ता खोल दिया है। आपके इंस्टाग्राम पोस्ट्स, रील्स और फोटोज़ पर जो बंपर व्यूज़ और लाइक्स मिल रहे हैं, उन्हें अब आप अपनी कमाई में बदल सकते हैं। बिना किसी अतिरिक्त मेहनत या सोशल मीडिया पर विशेष ट्रैफ़िक लाने के, आप इंस्टाग्राम को अपने पैसे कमाने का एक सशक्त माध्यम बना सकते हैं। इंस्टाग्राम पर कमाई का यह नया जुगाड़ इस्तेमाल करने के लिए, सबसे पहले आपको अपनी पोस्ट्स को बनाने और शेयर करने में क्रिएटिव और आकर्षक बनाना होगा। इसके साथ-साथ, आपको अपने फॉलोअर्स के साथ एक संबंध बनाना होगा, ताकि वे आपकी पोस्ट्स को अधिक से अधिक देखें और इसे शेयर करें। आजकल कई ब्रांड्स और कंपनियाँ इंस्टाग्राम पर प्रमोशन के लिए तैयार हैं। वे अच्छे कंटेंट बनाने वाले और अच्छे फॉलोअर्स वाले प्रोफ़ाइल्स को ध्यान से निरीक्षित करते हैं और उन्हें अपने उत्पादों या सेवाओं का प्रमोशन करने के लिए चुनते हैं। अगर आपके पास अच्छी फॉलोअर्स बेस है और आपकी पोस्ट्स वायरल हो रही हैं, तो ब्रांड्स आपसे संपर्क करके अपने प्रमोशन के लिए भी आपको पैसे दे सकते हैं। इसी तरह, आप भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को व्यवसायिक तौर पर उपयोग करके और अच्छे कंटेंट के माध्यम से पैसे कमा सकते हैं। यह एक क्रिएटिव तरीका है अपनी आवाज़ को सुनाने और दुनिया को अपने विचारों और कला से परिचित कराने का। इसलिए, इंस्टाग्राम को सिर्फ़ फोटोज़ और रील्स डालने का नया मंच मानना छोड़ दें, बल्कि इसे एक नया काम करने और कमाई करने का तरीका मानें। जानिए और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को कमाई का स्रोत बनाने के तरीके। ÷रील÷ और ÷फोटो÷ जैसी फीचर्स की मदद से आप अपनी क्रिएटिविटी को दुनिया के साथ साझा कर सकते हैं, और अगर आप यह ध्यान से करते हैं, तो इससे आपकी कमाई में भी इजाफा हो सकता है। यहां कुछ जुगाड़ हैं जिनसे आप अपने रील्स और फोटोज पर बंपर व्यूज और लाइक्स पा सकते हैं- कॉंटेंट हमेशा किंग होता है! आपका कॉंटेंट उन्हीं चीजों पर आधारित होना चाहिए जो लोगों को पसंद आती हैं। ध्यान दें कि यह क्या है जो लोगों को ध्यान आकर्षित करेगा। हैशटैग्स आपको अधिक लोगों तक पहुंचने में मदद कर सकते हैं। पॉपुलर हैशटैग्स का उपयोग करें और अपने कॉंटेंट को दुनिया के साथ शेयर करें। स्टोरीज का इस्तेमाल करके आप अपने फॉलोअर्स को रोजाना एक नया और रोचक कंटेंट दिखा सकते हैं। इससे आपका अधिक से अधिक व्यूज और लाइक्स मिल सकते हैं। किसी अन्य क्रिएटर के साथ सहयोग करके भी आप अपने कंटेंट की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। यह आपके फॉलोअर्स को नए कंटेंट का अनुभव देने में मदद कर सकता है। ये थे कुछ तरीके जिनसे आप ढ्ढठ्ठह्यह्लड्डद्दह्म्ड्ड पर अपने रील्स और फोटोज पर बंपर व्यूज और लाइक्स पा सकते हैं। ध्यान रहे, इन सबके अलावा भी क्रिएटिव होना बहुत महत्वपूर्ण है। तो अब जाओ, अपनी क्रिएटिविटी को दुनिया के सामने लाओ और कमाई करो!

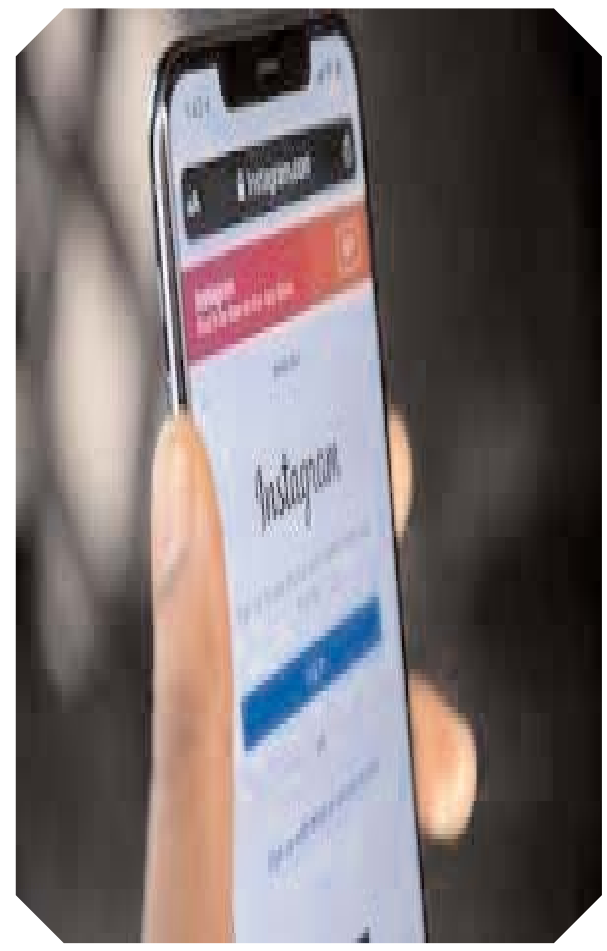

नीला हरा गोबिंदसागर में करें प्राकृतिक नजारों का दीदार

कुदरत ने अपने दिलकश फलक पर नीले हरे पनीले ब्रश से बहुत कुछ आकर्षक रचा है। खासतौर पर हर मौसम के मेज़बान हिमाचल प्रदेश के आंगन में बिछे कैनवास पर तो पर्यटकों के लिए पूरे बरस घुम्मकड़ी के लिए कितने ही गंतव्य हैं।

कुदरत ने अपने दिलकश फलक पर नीले हरे पनीले ब्रश से बहुत कुछ आकर्षक रचा है। खासतौर पर हर मौसम के मेज़बान हिमाचल प्रदेश के आंगन में बिछे कैनवास पर तो पर्यटकों के लिए पूरे बरस घुम्मकड़ी के लिए कितने ही गंतव्य हैं। बरसात के मौसम में सावन की बौछारों से पहाड़, घाटियां, वृक्ष नहाकर सर्द मौसम का स्वागत करने के लिए तैयार हो जाते हैं। हिमाचल की गोद में उगी अनेक प्राकृतिक व अप्राकृतिक झीलों का नीला हरा पानी पर्यटकों को कुछ अलग आनन्द देने के लिए बुलाता है। इन जल स्त्रोतों के लुभावने सानिध्य में असंख्य जलखेल प्रतियोगी व पर्यटक हर वर्ष आते हैं और जलक्रीड़ाओं का सक्रिय हिस्सा हो जाते हैं। इस बरस बरसे मेघों ने गोबिंदसागर को लबालब कर दिया है। कुदरत का खुशनुमा हरियाला आँचल आपको बुला रहा है।

पंजाब की धरती पर बसे आनंदपुर साहिब जहां विरासत ए खालसा का विशाल खूबसूरत परिसर है, से 83 किलोमीटर दूर बसे बिलासपुर को इस झील के किनारे बसे सुंदर स्थलों में गिना जाता है। जब भाखड़ा बांध का निर्माण हुआ तो पुराने बिलासपुर शहर को जल समाधि देनी पड़ी और भारत की संभवतः सबसे बड़ी मानव निर्मित लगभग 170 वर्ग किमी क्षेत्र में फैली खूबसूरत झील गोबिंदसागर का जन्म हुआ। पहाड़ी रास्ते पर यात्रा के दौरान हरे नीले पानी के लुभावने टुकड़े कभी दिखते हैं तो कभी छिपते हैं मगर खूब लुभाते हैं। यहाँ कैमरा आपको गाड़ी से उतरने को उकसाता है और आप गाड़ी रोककर चहलकदमी कर रहे होते हैं और नीले आसमान, छोटी छोटी हरी भरी पहाड़ियों की गोद में पसरे सागर को दिल में उतार लेना चाहते हैं। इस लघुसागर के किनारे अनगिनत मुहानों पर नई पुरानी किश्तियां घंटों जलआनंद देने के लिए तैयार हैं। गोबिन्दसागर भरपूर आबाद है। विशाल क्षेत्र में बसे दर्जनों गांव भी गोबिंदसागर में पानी लौट आने से नए ढंग से आबाद होते हैं। पैदल लिसलिसी धूल रेत मिट्टी से भरे रास्ते जलमार्ग हो जाते हैं। हजारों क्षेत्रवासियों का आवागमन इन जलमार्गों से होने लगता है। पुरानी किश्तियां पुनः सँवारी जाती हैं और नई बनाई जाती हैं। कई पुराने और नए धंधे आबाद करता है गोबिंदसागर का पानी पानी होना। मतस्यपालन ज्यादा जान पकड़ता है। स्वादिष्ट मछ्ली दूर दूर तक स्वाद बांटती है, कोलकोता तक। इसी पानी पर तैरते हुए नावें घुमक्कड़ या यात्रियों को भाखड़ा, नैनादेवी, कंदरौर स्थित कभी एशिया के सबसे ऊंचे पुल तक या उससे आगे भी ले जाती हैं। बिलासपुर में समयोचित पर प्रशासन द्वारा बोटिंग के अतिरिक्त अन्य जल क्रीड़ाएँ भी आयोजित की जाती हैं। सतलुज नदी से बने गोबिंद सागर की गहरी गोद में पसरा जल सुबह से शाम तक कितने ही रंग बदलता है। आसपास फैली पर्वत श्रृंखलाओं की उंचाइयों पर जाकर दूर दूर तक फैली पनीली सुन्दरता का मज़ा लिया जा सकता है। बिलासपुर बंदला सड़क एक ऐसा ही लुभावना रास्ता है जहां कई मोड़ ऐसे हैं जहां रूककर बिलासपुर शहर और दूर दूर के नयनाभिराम नज़ारों का लुत्फ दिल खोलकर लिया जा सकता है। बीच में पक्की पगडंडी से जाकर झील से लबरेज़ धरती की खूबसूरती का स्वर्गिक निर्मल आनंद लिया जा सकता है। यहां बैंच लगे हैं जहां अक्सर क्षेत्रवासी और पर्यटक पिकनिक के लिए आते हैं। शाम होते और रात के समय बस्तियों की रोशनियाँ ठहरे पानी को रहस्यमय बना देती हैं। अली खड्ड पुल के कारण झील के पड़ोस में एक और आकर्षण जुड़ गया है। गोबिंदसागर झील में आते-जाते विशेषकर बच्चों को बहुत दूर से ही यह पुल लुभाने लगता है।

पुल के पास या नीचे से गुजरते समय इधर से उधर सरपट भाग रही गाड़ियों को वे सुलभ बालमन की लम्बी बाहों व भावनाओं की अंगुलियों से छेड़ लेते हैं। लारियां आती जाती हैं और पुल थरथराता रहता है। पुराने बिलासपुर शहर में सातवीं शताब्दी से 12वीं शताब्दी के बीच बने शिखर शैली के मंदिर गोबिंदसागर के निर्माण की पनीली गोद में समा चुके हैं। जब पानी उतरता है मंदिर के ऊपरी हिस्से दिखने लगते हैं तो इन्हीं मंदिरों के कलात्मक सानिध्य में अनेक पिकनिक प्रेमी रात का खाना एन्जॉय करते हैं तो उनकी रात अविस्मरणीय स्वादिष्ट अनुभव हो जाती है। देश के पुरातत्व विभाग ने एक दर्जन से भी ज्यादा मंदिरों के पुर्नस्थापन की योजना बनाई है। यदि यह योजना सम्पन्न हो जाती है तो इतिहास के ये नमूने गोबिन्दसागर के गर्भ से नया जन्म लेंगे। यदि आप बिलासपुर में रुकना चाहें तो रुकने के लिए हिमाचल पर्यटन के होटल के अलावा कई प्राइवेट आराम गाहें भी हैं। गोबिंदसागर घूमने के बाद चाहें तो वाहन से उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध शक्तिस्थल नैनादेवी भी जा सकते हैं। समय हो तो अड़ोस पड़ोस के किले,

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलके स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार् समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।